भाद्रपद कृष्ण पक्ष-12, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 88 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
11 सितंबर 2023 सोमवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

अंतरिक्ष के मिशन चंद्रयान व सूर्ययान के बाद पानी में गोता लगाएगा भारत

अब समुद्रयान... 6000 मीटर नीचे जाएंगे वैज्ञानिक

नई दिल्ली , एजेंसी।

हाल में चंद्रयान-3 मिशन की कामयाबी और सूर्य के राज जानने के लिए आदित्य-एल1 की उड़ान के बाद अब बारी है समुद्र की गहराई में छिपे रहस्यों को जानने की। इसके लिये भारत जल्द ही अपने 'समुद्रयान' मिशन का ट्रायल शुरू करने जा रहा है। खबरों के मुताबिक मिशन समुद्रयान में तीन लोगों को एक स्वदेशी सबमर्सिबल में बिठाकर 6,000 मीटर की गहराई तक भेजा जाएगा। इस सबमर्सिबल का नाम मत्स्य 6000 है। इसमें क्रू समुद्र तल से करीब 6 किलोमीटर नीचे

खास बातें मत्स्य 6000 की

इसका वजन 25 टन है। इसकी लंबाई 9 मीटर और चौड़ाई 4 मीटर है। इसके लिए 2.1 मीटर व्यास का गोला डिजाइन और विकसित किया है जो तीन लोगों को लेकर जाएगा। गोला 6,000 मीटर की गहराई पर 600 बार दबाव (समुद्र तल पर दबाव से 600 गुना अधिक) का सामना करने के लिए 80 मिमी मोटी टाइटेनियम मिश्र धातु से बना होगा। वीकल को लगातार 12 से 16 घंटे तक ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन ऑक्सीजन की सप्लाई 96 घंटे तक उपलब्ध रहेगी।

कोबाल्ट, निकल और मैंगनीज जैसी बहुमूल्य धातुओं की खोज करेगा।

बताया जाता है कि वैज्ञानिकों को मत्स्य 6000 को तैयार करने में दो साल लगे हैं। 2024 की शुरुआत में चेन्नई तट से इसे बंगाल की खाड़ी में छोड़ा जाएगा। समुद्र में इतनी गहराई तक जाना बेहद चुनौतीपूर्ण है। भारतीय वैज्ञानिकों को जून 2023 में हुई टाइटन दुर्घटना का भी ध्यान है। ज्ञात हो कि नॉर्थ अटलांटिक महासागर में टाइटैनिक के मलबे तक टूरिस्ट्स को ले जाने वाला यह सबमर्सिबल फट गया था। उस हादसे के मद्देनजर भारतीय वैज्ञानिक मत्स्य 6000 के डिजाइन को बार-बार परख रहे हैं।

मत्सय को नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक विकसित कर रहे हैं। टाइटन हादसे के बाद उन्होंने डिजाइन, मैटीरियल्स, टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स की समीक्षा की है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन का कहना है कि 'समुद्रयान मिशन गहरे महासागर मिशन के हिस्से के रूप में चल रहा है। हम 2024 की पहली तिमाही में 500 मीटर की गहराई पर समुद्री परीक्षण करेंगे।'

छिंदवाड़ा से जबलपुर जा रही बस में लगी आग, यात्री सुरक्षित

छिंदवाड़ा । यहां से जबलपुर जा रही एसएमटी की बस हादसे का शिकार हो गई। यह बस यात्रियों को लेकर जा रही थी तभी अचानक चौरई के चांद बायपास पर बस का पिछला पहिया फूट गया, और अचानक बस अनियंत्रित होकर लहराने लगी, टायर फूटने की आवाज आते ही ड्राइवर ने सड़क की स्पीड स्लो करते हुए उसे रोकने का प्रयास किया तभी अचानक पीछे से बस में आग की लपटें दिखाई देने लगी, जिसके बाद तत्काल बस रोकी गई और यात्रियों को बाहर उतरने के लिए कहा गया। यात्रियों ने भी तत्परता दिखाई और उससे नीचे उतर आए, इससे पहले की कोई कुछ कर पाता आग की लपटों ने पूरी बस को घेर लिया, और देखते ही देखते एक घंटे के भीतर पूरी बस कबाड़ में तब्दील हो गई थी।

महिला वकील की हत्या, पति हिरासत में

नई दिल्ली , एजेंसी।

नोएडा में सुप्रीम कोर्ट की महिला वकील की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को खोज निकाला है, वह अपनी कोठी के ही स्टोर रूम में छिपा हुआ था। देर रात 3 बजे पुलिस ने उसे खोजा। पुलिस उसे हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है। दरअसल रविवार को नोएडा सेक्टर 30 स्थित कोठी में रहने वालीं रेनू सिन्हा का खून से सना हुआ शव घर के बाथरूम से मिला था। 61 साल की वकील रेनू सिन्हा सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करती थीं. परिजनों का कहना था कि रेनू की हत्या हुई है। पुलिस जब बाथरूम के अंदर पहुंची तो वहां का मंजर डरा देने वाला था। देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई थी. पुलिस भी हैरत में पड़ गई।

भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत

भरतपुर एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर जिले में बीती रात दर्दनाक हादसा हुआ। इसमें बस और कार में हुई जबरदस्त भिड़ंत में छह लोगों की जान चली गई। हादसा रूपावास में हुआ। हादसे में मरने वाले एक ही परिवार के दो बच्चों समेत छह लोग हैं। परिवार के लोग एकादशी के मौके पर सीकर के रींगस इलाके में स्थित खाटू श्याम जी के दर्शन कर लौट रहे थे। टक्कर के बाद कार पूरी तरह से पिचक गई जिस वजह से अंदर फंसे लोगों के शव बुरी तरह से फंस गए। शवों को कार से निकालने काफी मशक्त करनी पड़ी।

सीएम शिवराज ने महाकाल दरबार में लगाई हाजिरी, टल रहा सूखे का खतरा

इलेक्शन के पहले सरकार को मिली आसमानी राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल दोपहर मेट्रो। मप्र में सात दिनों से जारी बरसात ने किसानों-आम लोगों और सरकार के चेहरे पर मुस्कान व राहत ला दी है। अभी बारिश का यह दौर इस सप्ताह भी चलने के आसार हैं क्योंकि आसमान पर नए सिस्टम के बनने से बादलों की घेराबंदी बढ़ रही है। इस बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज सुबह उज्जैन पहुंचे और महाकाल मंदिर में उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की। कुछ दिन पहले 4 सितंबर को शिवराज ने उज्जैन पहुंचकर महकाल से ही मप्र में बरसात की प्रार्थना की थी। आज प्रार्थना स्वीकार होने पर उन्होंने महाकाल दरबार में हाजिरी लगाई। ज्ञात हो कि मप्र में 29 जिले अल्पवर्षा के चलते सूखे जिले के दायरे में आने लगे थे। अब बरसात के चलते 11 जिले इस दायरे से बाहर आ गये हैं। हालांकि 'खतरा' अभी पूरी तरह टला नहीं है क्योंकि मप्र में अभी भी करीब 8 फीसदी बारिश कम है। सरकार को अंदेशा है कि यदि स्थिति जल्द नहीं बदली तो दो महीने बाद होने वाले चुनाव के ऐन पहले बिजली व किसानों की समस्या बढेगी।

महाकाल मंदिर में विशेष पूजा के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सपत्नीकउज्जैन पहुंचे।

गोवा के सीएम ने नंदी हॉल में बैठकर लगाया ध्यान: उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर आज गोवा के मुख्यमंत्री **प्रमोद सावंत** ने दर्शन किए, वे महाकाल की तड़के होने वाली भस्म आरती में शामिल हुए। आरती के बाद नंदी हॉल में बैठकर ध्यान लगाया। सावंत ने कहा, 'बाबा से गोवा के आरोग्य, आयुष और विकास के लिए प्रार्थना की है। 25 अक्टूबर से 9 नवंबर तक होने वाले नेशनल गेम्स को सफल बनाने के लिए भी भगवान का आशीर्वाद लिया।' सावंत माकड़ोन में आज भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होंगे तथा आगर तक यात्रा में साथ चलेंगे।

सौ करोड़ के स्टेशन पर रिसता रहा पानी !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

करीब सौ करोड़ रूपये की लागत से हाल में बनकर तैयार हुआ वर्ल्ड क्लास कहा जाने वाला राजधानी का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन बारिश में पस्त हो गया। बताया जाता है कि कुछ घंटे की बारिश में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के डोम की छत से पानी गिरने लगा और यहां पर खड़े यात्रियों की हुई फजीहत होने लगी। यात्रियों ने रेलवे से इसकी शिकायत भी की तब आनन- फानन में निजी कंपनी का प्रबंधन पानी निकालने में जुटा। इसका कथित वीडियो भी वायरल हो रहा है।

भोपाल-नर्मदापुरम में तेज बारिश का अलर्ट

मध्यप्रदेश में 6 दिन से जारी बारिश के दौर से सूखे के अंदेशे का संकट टल गया है। 16 जिलों में बारिश हुई। आज भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा समेत 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में भी हल्की बारिश हो सकती है।

बारिश के बादलों के बीच राजधानी के कमला पार्क के पास बने केवल ब्रिज का दृश्य।

कश्मीर में बड़ी साजिश नाकाम हाइवे पर आईडी मिला

श्रीनगर एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया गया है।

श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर हंजीवेरा पट्टन में संदिग्ध वस्तु आईईडी मिली है। इसकी सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने श्रीनगर बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर बंद कर दिया। जांच के बाद संदिग्ध आईईडी को निष्क्रिय कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर हंजीवेरा पट्टन में सुरक्षा बलों को संदिग्ध आईईडी होने की जानकारी मिली। जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और बीडीएस मौके पर पहुंचे। सबसे पहले सुरक्षाबलों ने हाईवे पर ट्रैफिक रोका। इसके बाद संदिग्ध आईईडी की जांच की। जांच के बाद उसे निष्क्रिय कर दिया गया। इलाके में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया है।

तोमर के भाषण से छेड़छाड़ पर तीन गिरफ्तार

श्योपुर । जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के भाषण को एडिट करने के मामले में कार्रवाई हुई है। जानकारी के मुताबिक तोमर ने नरेंद्र मोदी, शिवराज सिंह चौहान जिंदाबाद के नारे लगाए थे, जिसे एडिटिंग कर मुर्दाबाद कर दिया। इस मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने कांग्रेस नेता सहित तीन लोगों पर एफआइआर दर्ज की है। दो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यात्रा जब श्योपुर से रवाना हुई थी तब केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर और नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया विकास यात्रा रथ पर सवार होकर श्योपुर से मुरैना के लिए विकास यात्रा लेकर जा रहे थे, तब उन्होंने रास्ते में भाषण दिये थे। तीनों युवकों ने टेंपरिंग करके उनकी आवाज बदलकर जिंदाबाद के नारे को मुर्दाबाद बोलकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया था।

कांग्रेस विधायक हिरासत में : इधर आगर से कांग्रेस विधायक विपिन वानखेड़े को पुलिस ने सोमवार को हिरासत में ले लिया। आगर विधानसभा क्षेत्र में आज BJP की जन आशीर्वाद यात्रा है। विधायक ने यात्रा को जिले में प्रवेश नहीं करने देने और काले झंडे दिखाने की चेतावनी दी थी।

मेट्रो एंकर

पीएम मोदी को भी बताई मन की बात

वर्ल्ड बैंक चीफ मेक इन इंडिया का असली उदाहरण!

नई दिल्ली , एजेंसी।

जी 20 के सफल आयोजन के बाद भारतीय मूल के वर्ल्ड बैंक के चीफ अजय बांगा भी मुरीद हो गए हैं। उन्होंने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि - मैं तो मेक इन इंडिया का परफेक्ट उदाहरण हूं। उन्होंने कहा कि मैं भारत में जन्मा, भारत ही स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई की। भारतीय संस्थान ने एमबीए की डिग्री हासिल की। भारत से शिफ्ट होने के बाद उन्होंने कोई भी कोर्स विदेशों में नहीं किया। उन्होंने हंसते हुए कहा कि मैने ये बात मजाक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी कही कि मेक इन इंडिया का असली उदाहरण तो मैं हूं। बंगा ने बताया है कि वर्ल्ड बैंक के 55 फीसदी से अधिक कर्मचारी अमेरिका के बाहर से हैं।

कौन हैं बांगा

दरअसल बांगा का जन्म महाराष्ट्र के पुणे में एक सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता आर्मी ऑफिसर थे। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्फीफंस कॉलेज से इकनॉमिक्स की डिग्री ली और फिर आईआईएम, अहमदाबाद से एमबीए किया। 1980 के दशक में नेस्ले से जुड़ गए और करीब एक दशक तक कंपनी में विभिन्न पदों पर काम किया है।

मोदी के ड्रीम पर मुहर भी

जी-20 में जहां भारत के प्रस्तावों पर एक के बाद एक सदस्य देशों ने रजामंदी दी, तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक ड्रीम पर भी इस समिट में एक प्रकार से मुहर लगाई गई है। क्योंकि मोदी ने इंडियन इकोनॉमी को कई मौकों पर अपना विजन बताया है। इनमें एक है, भारत के साल 2047 तक दुनिया के विकसित देशों की लिस्ट में पहुंचना और आने वाले पांच-छह साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी के तौर पर सामने आना।. ज-20 में शामिल होने के लिए देश में आईं IMF की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर भारतीय मूल की गीता गोपीनाथ ने इस पर कह दिया है कि ग्लोबल ग्रोथ के इंजन के रूप में भारत की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

भड़का पाकिस्तान

जी20 सम्मेलन में भारत, पश्चिमी एशिया और यूरोप के बीच कॉरिडोर बनाए जाने का अहम समझौता हुआ है। यह समझौता जहां एक तरफ भारत के लिए बड़ी कामयाबी है तो वहीं दूसरी तरफ इस समझौते से पाकिस्तान तिलमिलाया गया है। भारत, पश्चिमी एशिया और यूरोप के बीच कॉरिडोर बनाए जाने के समझौते के बाद पाकिस्तान के लोग इस कदर बौखलाए हुए हैं कि उन्हें अब खुद पर ही शर्मिंदगी महसूस हो रही है। पाकिस्तानी नागरिक इसे वेक अप कॉल बताते हुए देश की सरकार में बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी नागरिकों ने सरकार के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है।

ममता के फैसले पर अधीर भड़के

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के जी 20 बैठक के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित डिनर में शामिल होने को लेकर अब कांग्रेस भड़क गई है। वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता के इस फैसले पर सवाल उठा दिए हैं और पूछा है 'क्या इससे नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ उनका रुख कमजोर नहीं होगा?' अधीररंजन ने कहा, ममता बनर्जी डिनर में शामिल होने के लिए आनन फानन में दिल्ली पहुंचीं। अगर वह डिनर में शामिल नहीं होती तो कुछ नहीं होता, आसमान नहीं गिरता। उन्होंने कहा, देश के कई मुख्यमंत्रियों ने डिनर का बहिष्कार किया, संसद में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को डिनर में नहीं बुलाया गया तो ममता का यह कैसा अट्रैक्शन था कि वह पहले दिल्ली पहुंच गईं और खाने की मेज पर योगी और अमित शाह के बगल में थीं। अधीर ने तृणमूल पर निशाना लगाते हुए कहा कि जब एक बार मैं बंगाल के लोगों के लिए किसी काम से योगी आदित्यनाथ से मिला था और उस दिन मुझे भाजपा का बता दिया गया था और अब क्या हुआ ? हालांकि तृणमूल ने कहा है कि अधीररंजन यह तय नहीं करेंगे कि ममता क्या करें।

खतरे व विकास कार्य में व्यवधान को देखते हुए शिफ्टिंग

48 साल बाद ठिया बदलेंगी आरा मशीनें

जिला प्रशासन ने 45 एकड़ जमीन सौंपी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीते पचास साल से चल रही आरा मशीनों के लिये प्रशासन ने नया ठिया ढूंढ लिया है तथा इनकी शिफ्टिंग योजना को सिरे चढाया जाने लगा है। परवलिया सड़क स्थित रातीबड़ में इन आरा मशीनों को जगह मिल गई है। दरअसल, आरा मशीन शिफ्टिंग की कवायद कई बार हुई, लेकिन किसी न किसी कारण से यह योजना अटक जाती थी। व्यापारी भी माकूल जगह की मांग करके अड़ जाते थे और प्रशासन भी पस्त हो जाता था। जबकि इनके शहर के बीच में आ जाने से कई तरह की समस्या व खतरे भांपे जा रहे थे।

हाल में जिला प्रशासन ने मई महीने में एक बार फिर से इस योजना पर काम शुरू किया था। उद्योग केंद्र एवं कारोबारियों के साथ बैठक बुलाई गई। शुरुआती बैठक में तो कारोबारियों ने पहले से चिह्नित जगह पर जाने से साफ मना कर दिया, लेकिन बाद में प्रशासन ने परवलिया सड़क के पास नई जगह तलाशी तो इस पर कारोबारी सहमत हो गए हैं। बताया जाता है कि इस सहमति के बाद यहां कुल 45 एकड़ जमीन को आरा मशीन के लिए चिह्नित किया गया है। जिसे जिला प्रशासन ने उद्योग केंद्र को सौंप दिया है। शहर की इन लगभग 175 आरा मशीनों को बाहर शिफ्ट करने की योजना वर्ष 1975 में आए भोपाल के पहले मास्टर प्लान से चली आ रही थी। शहर के बीच रेलवे लाइन के पास संचालित हो रहे इस व्यवसाय को खतरनाक माना गया था। वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इनकी शिफ्टिंग की घोषणा की। बीडीए ने चांदपुर में काम शुरू किया, लेकिन बजट की कमी के कारण मामला अटक गया और वहां अतिक्रमण हो गए। बाद में मेट्रो के रूट में यह जमीन शामिल हो गई तो इन्हें हटाने के काम में तेजी आई। चार साल पहले भी इनकी शिफ्टिंग की कवायद हुई थी मगर मामला अटका रहा।

कहां कितनी आरा मशीनें

120 जिंसी से भारत टाकीज रोड

35 गोविंदपुरा

15 निशातपुरा

मेट्रो के भूमिगत रूट का रास्ता होगा साफ

आरा मशीनों को रातीबड़ में शिफ्ट करने को लेकर अब संचालक पूरी तरह से तैयार हैं। उद्योग केंद्र द्वारा जितनी जल्दी तैयारी शुरू कर आवंटन करना शुरू किया जाएगा, उतनी जल्दी यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। आरा मशीनें हटते ही बरखेड़ी की जमीन पर बनने वाले 400 मीटर लंबे और 20 मीटर चौड़े भूमिगत मेट्रो का रास्ता साफ हो गया है।

सख्ती के बाद बनी सहमति

दरअसल लगातार आ रहे व्यवधान के चलते अफसरों ने इस बार सख्ती शुरू की थी। नवागत कलेक्टर आशीष सिंह ने जिला प्रशासन एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों को साफ कहा था कि उनको अगरिया छापर किया जाए। जिस पर नगर निगम ने उनको नोटिस थमा दिए, लेकिन कारोबारी वहां व्यवस्थाएं नहीं होने से जाने को तैयार नहीं हुए। इस पर कलेक्टर व अन्य अधिकारियों ने मशक्कत के बाद छोटा रातीबड़ में जगह कारोबारियों को बताई तो चार महीने में सहमति बन सकी।

22 करोड़ की लागत से होंगी सुविधाएं विकसित

जिला प्रशासन ने छोटा रातीबड़ स्थित 18.500 हेक्टेयर भूमि यानि 45 एकड़ जिला उद्योग केंद्र को आरा मशीनों के लिए सौंप दी है। अब उद्योग केंद्र द्वारा यहां पर बिजली,पानी, सड़क सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएगी। केंद्र के अनुसार इतने बड़े रकबे को सर्वसुविधा युक्त बनाने के लिए प्रति एकड़ 50 लाख रुपये के हिसाब से लगभग 22 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

अब शहर की सभी आरा मशीनों की शिफ्टिंग जल्द ही रातीबड़ में की जाएगी। इसके लिए 45 एकड़ जमीन जिला उद्योग केंद्र को सौंप दी गई है।
***- आशीष सिंह,** कलेक्टर भोपाल*

हम रातीबड़ में जमीन मिलने से बेहद खुश हैं और सभी संचालक वहां जाने को तैयार हैं। सभी सुविधाओं के साथ हमको भूखंड मिलेंगे, वैसे ही हम शिफ्टिंग शुरू कर देंगे।
***-बदर आल,** अध्यक्ष, टिंबर मार्केट एसोसिएशन*

सीएम हाउस में महापंचायत

भोपाल। अतिथि विद्वानों की महापंचायत सीएम हाउस में आज आयोजित हुई। जिसमें प्रदेशभर के पॉलिटेक्निक अतिथि विद्वान शामिल हुए।

नेपाली जनसंपर्क समिति ने किया रक्तदान

भोपाल । नेपाली जनसंपर्क समिति मध्यभारत क्षेत्र की क्षेत्रीय समिति द्वारा हमीदिया हॉस्पिटल में महामानव बी.पी. कोईराला की 110वीं जन्मजयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर एवं खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर समिति के केन्द्रीय महामंत्री जगन्नाथ पौडेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे, केंद्रीय उपाध्यक्ष लीलामणी पाण्डे, सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

भोज विवि में आज से नैक टीम का निरीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और डिस्टेंश एजुकेशन ब्यूरो (डीईबी) की सूची से बाहर होने के बाद अब भोज मुक्त विश्वविद्यालय नैक का एकेडेशन पाने की तैयारियों में जुट गया है। विवि में 11 से 13 सितंबर तक नैक का निरीक्षण हो रहा है। विवि को यदि नैक का एकेडेशन हो जाता है, उसके बाद विवि में एडमिशन की उम्मीद की जा सकती है। फिलहाल भोज विवि अपने यूजी और पीजी कोर्स के वर्तमान सत्र में प्रथम वर्ष में प्रवेश नहीं करा पाएगा और यह वर्ष जीरो ईयर घोषित हो सकता है। वर्तमान में प्रथम वर्ष के प्रवेश रोक लगने पर विद्यार्थी यूजी के प्रथम से द्वितीय और द्वितीय से तृतीय वर्ष में प्रवेश जरूर ले पाएंगे। वहीं पीजी में प्रथम से द्वितीय वर्ष में विद्यार्थी दाखिल हो जाएंगे। विवि प्रबंधन का कहना है कि नैक मूल्यांकन के बाद विवि में इस सत्र के एडमिशन कराए जाएंगे। विवि का नाम यूजीसी की लिस्ट से बाहर हुआ है, मान्यता समाप्त नहीं हुई है।

फिलहाल यूजीसी-डीईबी सूची से बाहर, एकेडेशन होने पर एडमिशन की उम्मीद

साधना की याद में गीत-साधना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अभिनेत्री साधना की 82 वीं जयंती पर मुस्कान म्यूजिकल ग्रुप ने पॉलिटेक्निक कालेज के ऑडिटोरियम में साधना पर फिल्माए गीतों का शानदार प्रोग्राम प्रस्तुत किया। इस आयोजन के दौरान आयुक्त लोक शिक्षण अनुभा श्रीवास्तव,रिटायर्ड आईएएस कवीन्द्र कियावत, जयश्री कियावत सहित शिशु रोग विशेषज्ञ डा केएस बुधवानी,डा छाया बुधवानी का सम्मान भी किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद संगीत प्रेमियों के समक्ष इस कार्यक्रम में फिल्मों के सुमधुर गीतों की पेशकश हुई। संदीपा पारे सहित बीस गायक गायिकाओं ने गीत सुनाए।

अफसरों व चिकित्सकों का सम्मान

37 वें स्थापना दिवस पर सेवासदन में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के 37 वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें सेवासदन के डाक्टर्स तथा विभिन्न संवर्गों के कर्मचारियों द्वारा गीत, संगीत, नृत्य, फैशन परेड, खेलकूद आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

सांस्कृतिक संध्या में डा.मनोज राजे को प्रशस्ति पुरस्कार, इमरान खान को मिस्टर सेवा सदन, अनुशा पाठक को मिसेस सेवासदन का पुरस्कार मिला। महेश लेखवानी क्रिकेट विनर, लोकेश मूलानी मैन आफ दि टूर्नामेंट, मन्नत वासवानी आलराऊंडर, पिंकी लालवानी और रोहित दामानी बेस्ट ड्रेस, हितेश निचलानी और रितिका लालवानी बेस्ट पोड़, ईश चौबे और जानकी नेकवाल को बेस्ट पास्चर का पुरस्कार दिया गया। फैशन परेड और गीत-संगीत प्रतियोगिताओं में अस्पताल के सभी डॉक्टर्स ने भी भाग लिया। इस अवसर पर जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने कहा कि सेवासदन का चिकित्सकीय स्टाफ वर्ष भर नेत्र रोगियों के इलाज और नेत्र सुरक्षा के कार्यो मे लगा रहता है। कोई सोच भी नहीं सकता की इन कर्मचारियों के अवचेतन में भी कलात्मकता के गुण विद्यमान हैं। कर्मचारियों को आज अपनी अंतर्निहित कला गुणवत्ता को मंच और अवसर मिला है। उनका यह उत्कृष्ट प्रर्दशन सराहनीय है।

इस अवसर पर सेवा सदन के डाक्टर्स और कर्मचारियों के अलावा ट्रस्टीगण एल.सी.जनियानी, हीरो ज्ञानचंदानी, हीरो केसवानी, तुलसी आडवानी, के.एल. रामनानी तथा ए.सी साधवानी, सलाहकार कर्नल डा.मदन देशपाण्डे, मेडिकल डायरेक्टर डा.प्रेरणा उपाध्याय, कार्यपालिक अधिकारी पी.एस राठौर, वरिष्ठ प्रबंधक कुशल धर्मानी और भारती जनियानी, निर्णायक मण्डल की सदस्य डॉ. डालिमा पारवानी, डॉ.माधुरी शारदा, डॉ.सविता गजरे विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.कविता गुप्ता ने किया।

एनसीसी कैडेटों ने बड़े तालाब की सफाई की

भोपाल। राष्ट्रीय कैडिट कोर (एनसीसी) द्वारा राजधानी के सैर सपाटा के पास बड़े तालाब तथा उसके आस पास के क्षेत्रों में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इसका शुभारंभ भोपाल की महापौर मालती राय ने किया। इस अवसर पर मुख्यालय के समादेशक ब्रिगेडियर अजीत सिंह तथा एनसीसी यूनिटस, बटालियन के सभी कमान अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी समेत करीब 1500 कैडेटों ने हिस्सा लिया। एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल एके महाजन ने पुनीत सागर अभियान जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से एनसीसी द्वारा हमारे राष्ट्र के मानस में लाए जाने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया।

रोटरी क्लब ने किया इसरो वैज्ञानिकों का सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों द्वार विश्व को चमत्कृत कर देने वाली उपलब्धि हासिल करने पर इसरो भोपाल के ग्रुप डायरेक्टर शैलेंद्र कुमार, वैज्ञानिक जावेद कुरैशी , प्रभा तोमर, स्वप्निल त्रिवेदी का सम्मान रोटरी क्लब ईस्ट द्वारा किया गया।

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष संजय दुबे ने कहा कि विगत कई वर्षों से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने का प्रयास विभिन्न देशों द्वारा किया गया परंतु किसी भी देश को इसमें सफलता प्राप्त नहीं हुई । भारत के वैज्ञानिकों ने अपने अथक प्रयास, सूझबूझ, धैर्य और अतीत से सबक लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की और विश्व में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने वाला पहला देश बन गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को रोटरी का नेशन बिल्डर अवार्ड दिया गया।

इस अवसर पर इसरो भोपाल के ग्रुप डायरेक्टर शैलेंद्र कुमार ने अपने कहा कि भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में आगे भी इसी प्रकार उपलब्धियां हासिल करने में सक्षम है ।

इस अवसर पर रोटरी क्लब के सचिव प्रखर तिवारी, असिस्टेंट गवर्नर कुमुद तिवारी समेत केजी बंसल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अल्पना मिश्रा एवं जीके छिब्बर द्वारा किया गया।

मेट्रो एंकर | तीन दिवसीय कार्यशाल का समापन

समझ, संबंध एवं सुविधा बढ़ाना ही सच्ची समृद्धि

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

इच्छा, विचार एवं वस्तु पर नियंत्रण से खुशियों का संचार होता है। संवेदना एवं संयम का भाव अगर मानव जीवन में आ जाए, तो सर्वव्याप्त सुख की प्राप्ति हो सकती है।

ये बात मोहित श्रीवास्तव ऑल इंडिया कॉउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन द्वारा अनुमोदित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज' के मुख्य रिसोर्स पर्सन ने कही। वे संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित तीन-दिवसीय कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हम अपने बारे में जानने से अधिक दूसरों के बारे में जानते हैं एवं उनका विश्लेषण करते हैं। स्वयं को समझना सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है; स्वयं का व्यवहार सुधारने से हम समाज में परिवर्तन ला सकते हैं। स्वयं के अंदर संयम का भाव हो, तो सार्वभौमिक समृद्धि अपने आप आ जाती है। अंतिम दिवस विश्वास एवं आदर की भावना, सामाजिक एवं प्राकृतिक सद्भाव एवं अस्तित्व समभाव पर चर्चा हुई। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के बारे में जाना, जो सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है।

कार्यशाला के तीसरे दिन प्रतिभागियों ने अपने तीन दिन के अनुभवों को साझा किया एवं इस स्वयं-यात्रा को सार्वभौमिक जीवन मूल्यों के दृष्टिकोण से महसूस किया। यह एक अनूठा अनुभव था, जिसमें सभी ने अपने जीवन को नए आयाम, नए प्रयास एवं नए स्वरूप में देखा। एक संकल्प लिया कि सर्वप्रथम स्वयं की अनुभूति की प्रक्रिया को समझेंगे एवं मानव जीवन में मूल्यों को सर्वप्रथम स्वयं से प्रारंभ करेंगे, ताकि सार्वभौमिक स्तर पर एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकें।

इस कार्यशाला के अंत में संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी एवं डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने रिसोर्स पर्सन मोहित श्रीवास्तव, डॉ. राघवेंद्र दुबे एवं ऑब्जर्वर आलोक सोनी का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. हर्षा मिश्रा एवं प्रो. शालू पांडे ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताया।

सुखसागर आश्रम में वार्षिकोत्सव बाबा गोविन्ददास वर्सी उत्सव

हिरदाराम नगर। सुख सागर उदासीन आश्रम में सात दिवसीय वार्षिकोत्सव उत्सव व बाबा गोविंददास उदासीन वर्सी उत्सव सम्पन्न हुआ, आश्रम के गदीशीन बाबा रामदास उदासीन के सानिध्य में हुआ।

वार्षिक उत्सव का शुभारंभ तीजड़ी पर्व से हुआ, समापन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन हुआ।

समापन दिवस पर बाबा गोविन्ददास उदासीन के वर्सी उत्सव भी मनाया गया। बाबा रामदास उदासीन के प्रात काल व सायं काल भजन कीर्तन व गुरबाणी का प्रवचन बाबा जी ने भगवान कृष्ण भगवत गीता एवं गुरुग्रन्थ साहिब पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महंत बाबा रामदास उदासीन के अलावा गुरुमाता राधा देवी उदासीन संतोष उदासीन नानक उदासीन सागर उदासी आदि कार्यक्रम में शामिल थे। इस अवसर पर बाबा गोविन्ददास सेवा समिति के तुलसी सदारंगानी, लालचंद जसवानी, माधू चांदवानी, श्याम गोपलानी गोरधनदास सदारंगानी, लीलाराम लेखवानी, रामचंद सबनानी मोहनलाल रामचंदानी, उधमदास पारवानी, ताराचंद जेठवानी, कन्हैयालाल पारदासानी, जानकी लाल सबनानी, अमित सदारंगानी सहित सैकडों धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित थे।

इस बार वार्षिक परीक्षा में जोड़े जाएंगे अंक

सरकारी स्कूलों में 12 सितंबर से शुरू होगी तिमाही परीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में नौवीं से बारहवीं कक्षा तक की तिमाही परीक्षाएं 12 सितंबर से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 21 सितंबर तक चलेंगी। भोपाल जिले से इस परीक्षा में 35 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। तिमाही की परीक्षा इस बार बदले हुए पैटर्न पर होगी। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल का रिजल्ट सुधारने के लिए तिमाही और छमाही परीक्षाओं को बोर्ड पैटर्न पर आयोजित किया जा रहा है। इसके पांच अंक वार्षिक परीक्षा में भी जोड़े जाएंगे। परीक्षा के लिए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा सोमवार को प्रश्नपत्र भेजे जाएंगे। डीपीआई ने प्रश्नपत्र की फोटोकापी या प्रिंटिंग कराने के आदेश प्राचार्यों को दिए हैं। जिन स्कूलों में फोटोकॉपी मशीन नहीं होंगी, वहां शिक्षक दुकान पर जाकर प्रश्नपत्र की फोटो कापी कराकर विद्यार्थियों को वितरित करेंगे। इस दौरान शिक्षक को यह भी ध्यान रखना होगा कि फोटोकॉपी करने वाला प्रश्नपत्र को सेव ना कर लें। साथ ही एक भी प्रश्नपत्र वहां नहीं छूटे।

इस साल बदले हुए पैटर्न पर होगी परीक्षा

तिमाही की परीक्षा बदले हुए पैटर्न पर होगी। इन परीक्षाओं में करीब 35 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूल का रिजल्ट सुधारने के लिए तिमाही और छमाही परीक्षाओं को बोर्ड पैटर्न पर आयोजित किया जा रहा है। ये पेपर वार्षिक परीक्षा की तरह होंगे। इसके पांच अंक वार्षिक परीक्षा में भी जोड़े जाएंगे।

विद्यार्थियों को 30 मिनट पहले पहुंचना होगा

नौवीं एवं 10वीं का पहला पेपर अंग्रेजी का होगा। वहीं 11वीं व 12वीं के विद्यार्थी पहला पेपर मनोविज्ञान का देंगे। परीक्षा के लिए विद्यार्थी को 30 मिनट पहले पहुंचना होगा। परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट पहले उत्तर पुस्तिका और पांच मिनट पहले पेपर दिया जाएगा। प्रायोगिक परीक्षाएं 12 से 21 सितंबर के बीच प्राचार्य अपनी सुविधानुसार करा सकेंगे। परीक्षा का समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। हालांकि कुछ कक्षाओं के पेपर दोपहर दो से पांच बजे के बीच भी होंगे। विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षाओं की प्रैक्टिस के लिए इन परीक्षाओं बोर्ड पैटर्न पर आयोजित किया जाएगा।

पुरानी पेंशन पर सरकार मौन, मुखर हैं कर्मचारी

चुनाव के पहले तक बात नहीं बनी तो दिखेगी कर्मचारियों की नाराजगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के ज्यादातर कर्मचारी इस समय नाराज हैं और लगातार विरोध प्रदर्शन दर्ज कराते आ रहे हैं। बाकी की मांगें तो अपनी जगह है लेकिन सबसे प्रमुख मांग पुरानी पेंशन बहाली की है। इस पर सरकार चुप है तो कर्मचारी संगठनों और कर्मचारियों की नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। इस नाराजगी को आसपास के कुछ राज्यों की नीति हवा दे रही है। जिसमें राजस्थान प्रमुख है। यहां पुरानी पेंशन बहाल कर दी गई, जो कि मप्र के कर्मचारियों के पास एक बड़ा उदाहरण है और यहां के कर्मचारी भी कह रहे हैं कि उन्हें भी पुरानी पेंशन ही चाहिए।

इसको लेकर कई बार कर्मचारी संगठन अलग-अलग और एक साथ सड़कों पर उतर चुके हैं। यह बात सरकार को भी पता है लेकिन सरकार ने अब तक खुलकर इस संबंध में कुछ भी नहीं कहा है। हालांकि सरकार की मंशा समय-समय पर इस पेंशन को बहाल नहीं करने की आती रही है। कुछ प्रतिनिधि यह भी बोलते सुने गए हैं कि यह केंद्र का विषय है और राज्य इसमें अकेले कुछ नहीं कर सकता। लेकिन कर्मचारी फिर राजस्थान जैसे पुरानी पेंशन बहाल करने वाले राज्यों का हवाला देने लगते हैं।

हाल ही में कर्मचारी संगठनों का एक बड़ा धड़ा प्रदेश की राजधानी में एकत्रित हुआ था। जिसमें पुरानी पेंशन ही एक प्रमुख मांग थी, जिस पर कर्मचारी पदाधिकारियों ने विस्तार से चर्चा की है। साथ ही सरकार को अल्टीमेटम भी दिया है कि उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनी और सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो वे आरपार की लड़ाई के लिए सामने आ जाएंगे।

कर्मचारियों की ये मांगे भी अनसुलझी

- लिपिकों की वेतन विसंगति दूर की जाए।
- दैनिक वेतन भोगियों को शासकीय कर्मचारियों की तरह लाभ मिले। अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान हो।
- संविदा कर्मचारियों को शासकीय कर्मचारियों का दर्जा दिया जाए।
- समान काम का समान वेतन दिया जाए।
- आउटसोर्स व्यवस्था पूरी तरह बंद की जाए।
- पूर्व में रोका गया एरियर का भुगतान मय ब्याज के किया जाए।
- पदोन्नति, क्रमोन्नति का लाभ समय से दें।

नाथ-दिग्विजय बोले- हम पूरी करेंगे मांगे

इधर, बिजली कंपनी के पेंशनरों और प्रदेश के अलग-अलग संवर्ग के शासकीय अधिकारी, कर्मचारी जब भोपाल में कल जुटे तो उन्होंने पुरानी पेंशन, वेतन विसंगति, एरियर की लंबित राशि, पदनाम में बदलाव समेत अन्य मांगें पूरी नहीं करने पर सरकार के खिलाफ नाराजगी प्रकट की। शासन पर कर्मचारियों को अनदेखी के आरोप लगाए। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ व दिग्विजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन सहित सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। पेंशनर गोविंदपुरा स्थित बिजली नगर और अधिकारी, कर्मचारी आंबेडकर मैदान में जुटे थे। मोर्चा संरक्षक भुवनेश कुमार पटेल ने कहा कि लिपिकों की मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। इस विरोध-प्रदर्शन में भाजपा नेता पंकजा मुंडे की बहन करुणा धनंजय मुंडे भी पहुंचीं। सभा के दौरान वर्षा होने लगी, लेकिन कर्मचारी डटे रहे।

विवादों में एमसीयू का दीक्षांत समारोह

भोजन के बाद अब ड्रेस कोड शुल्क को लेकर परेशान विद्यार्थी, विरोध हुआ शुरू

सफेद कुर्ता पजामा, सलवार सूट या ऑफ वाइट साड़ी पहनकर आना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) के 15 सितम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह में छात्रों से भोजन के लिए अलग से शुल्क लेने के मामले के बाद अब ड्रेस कोड को लेकर विरोध शुरू हो गया है। प्रबंधन द्वारा जारी नए नोटिस के अनुसार अब दीक्षांत समारोह में सफेद कुर्ता पजामा, सलवार सूट या ऑफ वाईट साड़ी पहनकर आना होगा। छात्रों का कहना है कि, ड्रेस कोड के सम्बन्ध में उन्हें यह जानकारी रविवार (10 सितम्बर) को ही प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह में छात्रों से पगड़ी बांधने के लिए भी 200 रुपए लिए जा रहें हैं। दीक्षांत समारोह खत्म होने पर विश्वविद्यालय द्वारा इन 200 रुपए में से 120 रुपये वापस भी कर दिए जाएंगे। बता दें कि

कई छात्रों ने कपड़े भी खरीद लिए

कुल मिलाकर पत्रकारिता विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर कंफ्यूज है जिससे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ड्रेस कोड के सम्बन्ध में पूर्व सूचना न मिलने पर कुछ छात्रों ने तो दीक्षांत समारोह के लिए कप? भी खरीद लिए हैं, ऐसे में छात्रों का कहना है कि, उनके सारे पैसे और समय बर्बाद हो गए। विश्वविद्यालय द्वारा अलग-अलग कार्य के लिए अलग शुल्क मांगे जाने से छात्र परेशान हैं। छात्र संगठन भी विश्वविद्यालय के इस आदेश का विरोध कर रहा है।

इसके पहले छात्रों से भोजन के लिए अलग से शुल्क लिया जा रहा था। जिसका काफी विरोध हुआ था। हालांकि इसके बाद विश्वविद्यालय ने दीक्षांत समारोह में भोजन शुल्क वापस करने की सूचना जारी करते हुए दोपहर का भोजन ही कैंसिल कर दिया।

संगठन ने कहा- मध्यप्रदेश सरकार के कदमों से महिलाएं होंगी स्वावलंबी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा है कि मुख्यंत्री शिवराजसिंह की सरकार महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में पूरे देश में एक रोल मॉडल बनती जा रही है। पहले लाडली लक्ष्मी योजना और फिर लाडली बहना योजना से समाज और परिवार में बच्चियों, महिलाओं की स्थिति में जो परिवर्तन आ रहे हैं, वो अब स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं।

दरअसल कल ग्वालियर के लाडली बहना सम्मेलन में मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत करते हुए शर्मा ने कहा कि यह कदम अब महिलाओं को , सक्षम और स्वाबलंबी बनाएंगे। शर्मा ने लाडली बहनों के खातों में 1269 करोड़ की एक और किस्त डालने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया व कहा कि तीन टोल टैक्स नाकों के संचालन की जिम्मेदारी बहनों को देने संबंधी मुख्यमंत्री की घोषणा क्रांतिकारी कदम है। इन नाकों पर हुए कलेक्शन की राशि का 30 प्रतिशत नाके का संचालन कर रही बहनों को मिलेगा। इससे न सिर्फ उन्हें आर्थिक लाभ होगा, बल्कि उनके मन में सक्षम होने का भाव भी जागृत करेगा।

कमलनाथ बोले- हम कागजों में नहीं उलझाते, जनता के हित में काम करते हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि हम जनता को सीधे लाभ देने के लिए योजनाओं में टालमटोल नहीं करते, ये कागज लाओ वो कागज लाओ, ये खानापूर्ति करना होगी, जैसी बात नहीं करते बल्कि बिना उलझन के आसान तरीके से काम कर जनता को सीधा लाभ देने पर विश्वास करते है। नाथ ने कांग्रेस के उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और व्यापारियों के सम्मेलन में सीधे संवाद करते हुये यह बात कही। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने भ्रष्टाचार की एक व्यवस्था बना रखी है, ऊपर से नीचे तक हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार है। हर व्यक्ति भ्रष्टाचार का या तो शिकार है या गवाह है। प्रदेश में कोई नहीं लगाना चाहता, व्यापार नहीं लगाना चाहता, क्योंकि उद्योगपतियों को मप्र पर विश्वास नहीं है। हमारा प्रदेश 5 राज्यों से घिरा हुआ है फिर भी मप्र बड़े उद्योगों से अछूता है। व्यापारी हो उद्योगपति हो सभी भाजपा की नीतियों से त्रस्त हैं। सरकार की नीतियों के कारण कई उद्योग बंद हो गये हैं।

किशोर न्याय बोर्ड समितियों में रिक्त पदों को भरने बुलाए आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने आचार संहिता लगने के पहले किशोर न्याय बोर्ड और बाल कल्याण समितियों में रिक्त पदों को भरने की तैयारी शुरू कर दी है। 19 जिलों में विभिन्न रिक्त पदों को भरने के लिए प्रदेशभर के नागरिकों से आवेदन बुलाए गए है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधान के अनुसार विधि का उल्लंघन करने वाले एवं देखरेख और संरक्षण में जरुरतमंद बालकों के प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रत्येक जिले में किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति के गठन का प्रावधान किया है। वर्तमान में 19 जिलों में विभिन्न पद खाली पड़े है। इन्हें भरने के लिए आवेदन बुलाए गए है। किशोर न्याय बोर्ड में सीहोर में एक, राजगढ़ में दो, शिवपुरी में एक, खरगौन में दो, कटनी में दो,मंडला, हरदा, देवास में दो-दो,डिंडौरी, सीधी, सिंगरौली, दमोह में एक-एक पद रिक्त है। इन सभी पदों को भरने के लिए आवेदन बुलाए गए है। इसी तरह बाल कल्याण समितियों में खरगौन, कटनी, मंडला, हरनदा, उज्जैन, अनूपपुर, दमोह में पांच-पांच पद रिक्त है। इनमें एक अध्यक्ष और चार सदस्यों के पद है। एक पद महिला वर्ग के लिए है।

मेट्रो एंकर | **6 से 14 उम्र के शाला त्यागी व अप्रवेशी बच्चों की सूची तैयार**

स्कूल छोड़ने वाले प्रदेश के 18,331 बच्चों को फिर शिक्षा से जोड़ेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्कूल छोड़ने वाले और अप्रवेशी बच्चों को वापस शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने कवायत तेज कर दी है। प्रदेश के 6 से 14 वर्ष ऐसे करीब 18331 बच्चों की सूची तैयार की गई है, जिन्हे फिर स्कूलों में लाया जाएगा। इसमें 10,178 लड़के और 8153 लड़कियां हैं। हालांकि यह आंकड़ा बड़ सकता है, क्योंकि अभी तक कुछ जिलों की जानकारी अपडेट नहीं की गई है। भोपाल जिले से भी अभी कोई नाम सूची में शामिल नहीं है। सरकार द्वारा चिन्हित बच्चों के प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए प्रबंधन पोर्टल बनाया है। विकास खंड स्रोत समन्वयक द्वारा स्कूल से बाहर बच्चों को पंजीयन की कार्यवाही प्रबंध पोर्टल पर की जाएगी। सत्र 2023-24 में प्रबंध पोर्टल पर की प्रविष्टि के अनुसार जिलेवार चिन्हित स्कूलों से बाहर बच्चों की संख्या की सूची भी तैयार की है। यह कार्य 15 सितंबर तक पूरा के निर्देश जिलों को दिए हैं।

नई शिक्षा नीति के साथ वार्षिक कार्ययोजना 2023-24 में भी प्रावधान

दरअसल, राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रदेशभर के कलेक्टर्स को इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूल से बाहर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाना जरूरी है। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी इसे प्राथमिकता के रूप् में समावेश किया गया है। 6 से 14 वर्ष आयु के स्कूल से बाहर के बच्चों को विशेष प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से लर्निंग गेप को दूर करते हुए शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए वार्षिक कार्ययोजना 2023-24 में भी प्रावधान किया गया है।

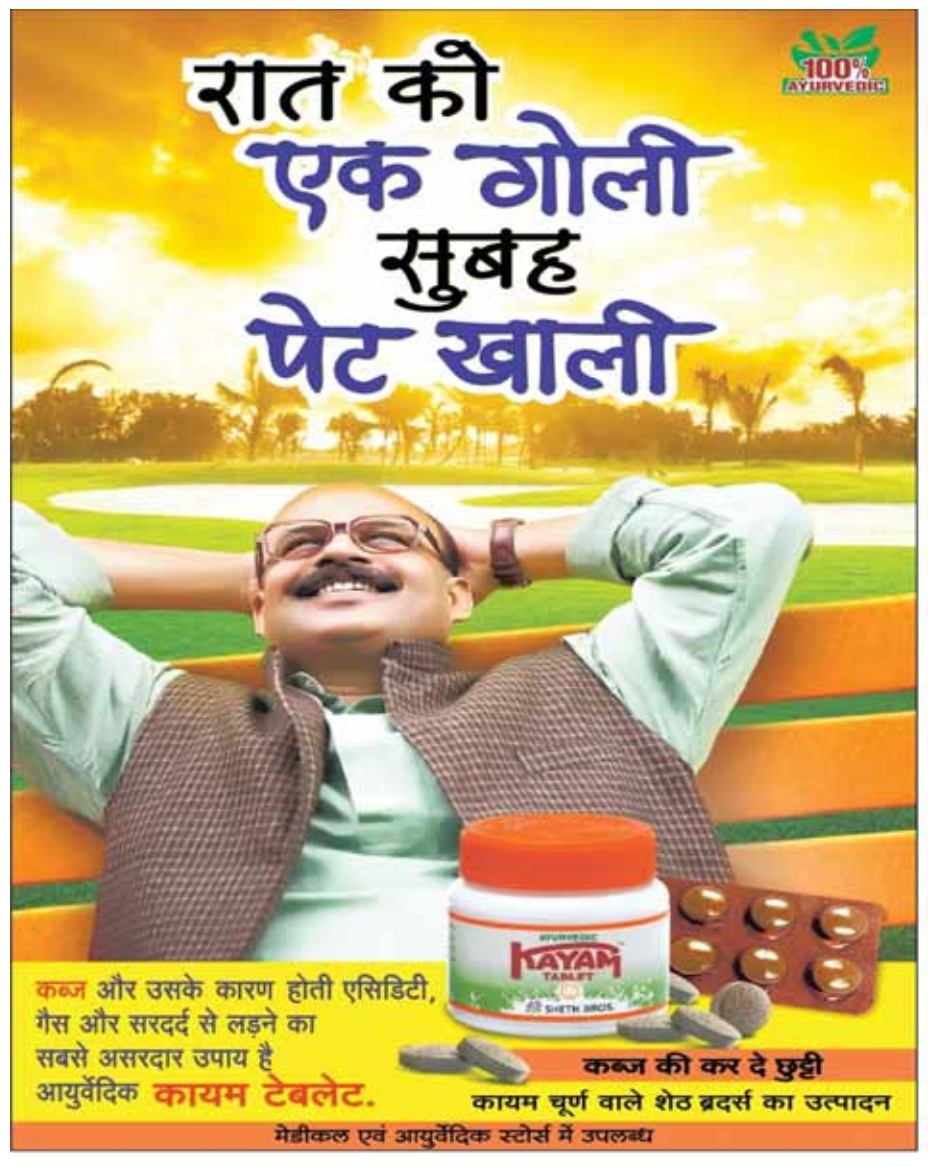

सुविचार

``दोस्तों मेहनत से मोहब्बत करो, क्योंकि यह तुम्हारी कामयाबी की वजह बनेगा।''

-अज्ञात

संपादकीय

नतीजे पढ़ने की जरूरत

देश में सरकार चला रही भाजपा और पांच दशक सरकार चला चुकी कांग्रेस के बीच की सियासी जंग में घुलते नये नये रंगों के बीच हाल में छह राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर को हुए उपचुनावों के नतीजों को पढ़ना जरूरी है। वजह यह कि कांग्रेस ने गठबंधन की राजनीति पर फोकस करते हुए दो दर्जन से ज्यादा दलों से अपना राब्ता बढा दिया है। इस तरह वह साठ फीसद आबादी पर शासन करने वाले सियासी दलों के समूह का हिस्सा हो गई है। इसीलिये इस बात पर खास ध्यान दिया जा रहा था कि चुनावी नतीजा क्या होगा। यह विपक्ष का इंडिया गठबंधन बनने के बाद होने वाला पहला चुनावी टकराव था। इसका क्षेत्र भी बड़ा व्यापक था। उत्तर के झारखंड, यूपी और उत्तराखंड से लेकर पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और दक्षिण के केरल तक की सीटों पर मुकाबला हुआ। दूसरी बात यह कि ये उपचुनाव पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों और फिर लोकसभा चुनावों से ठीक पहले हुए हैं। संख्या के लिहाज से देखा जाए तो इन चुनाव नतीजों को मिला-जुला ही कहना उपयुक्त होगा। सात सीटों में से तीन बीजेपी के खाते में गईं और चार विपक्षी दलों में से किसी न किसी के हिस्से में। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि केरल (पुतुपल्ली) में कांग्रेस जीता जरूर मगर वहां बीजेपी मुकाबले में ही नहीं थी। वहां टक्कर कांग्रेस की अगुआई वाली यूडीएफ और एलडीएफ के बीच थी, जिसमें कांग्रेस-यूडीएफ ने बाजी मारी। ऐसे में देखें तो स्कोरकार्ड तीन-तीन का बनता है। त्रिपुरा की दोनों सीटों पर बीजेपी की भारी जीत बताती है कि वहां लेफ्ट पार्टियों के लिए आगे की राह सचमुच मुश्किल होने लगी है। हालांकि लेफ्ट पार्टियों ने वहां चुनावी धांधली के आरोप लगाते हुए मतगणना का बहिष्कार कर रखा था। लेकिन इस बारे में जब तक विश्वसनीय जांच से कुछ स्थापित नहीं होता, तब तक सिर्फ आरोप की बिना पर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता। पश्चिम बंगाल (धुपगुड़ी) में विपक्ष का कोई साझा उम्मीदवार नहीं था। तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के अलावा वहां लेफ्ट पार्टियों का भी एक प्रत्याशी था, जिसे कांग्रेस ने समर्थन दिया था। जीत तृणमूल कांग्रेस को मिली और निकटतम प्रतिद्वंद्वी बीजेपी का रहा। बीजेपी यह कहकर खुश हो सकती थी कि वहां तृणमूल के मुकाबले में नही है और उसने कांग्रेस व लेफ्ट को पीछे धकेल दिया है लेकिन अब लोकसभा चुनावों के लिहाज से लेफ्ट दल, कांग्रेस और तृणमूल- सभी एक ही पाले में खड़े नजर आ रहे हैं तो बीजेपी के लिए यह दिलासा काफी नहीं होगा। फिर भी अगर इंडिया गठबंधन के नजरिए से देखें तो झारखंड की डुमरी और यूपी की घोसी, ये दोनों सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सीटें कही जाएंगी। डुमरी में हालांकि झारखंड मुक्ति मोर्चा का मुकाबला ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन से था लेकिन जेएमएम प्रत्याशी को इंडिया गठबंधन का समर्थन हासिल था। घोसी की अहमियत इस बात में थी कि वहां समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के खिलाफ विपक्षी खेमे के किसी भी दल ने उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था। ऐसे में झारखंड के डुमरी में जेएमएम और यूपी के घोसी में समाजवादी पार्टी की जीत के खास मायने हो जाते हैं। जाहिर है, बीजेपी अब इंडिया गठबंधन को हलके में लेने का जोखिम नहीं उठा सकती है,उसका आकलन व इंडिया गठबंधन दलों पर रुख भी बता रहा है कि वह लोकसभा चुनाव के प्रति भारी सतर्क है।

निशाना

खोज रहे हैं सीट !

-कृष्णेन्द्र राय

शुरू हो गया मंथन ।
किस पर पलड़ा भारी ?
खोज रहे हैं सीट ।
करने को तैयारी ।।
क़दम है जमाना ।
रहे अब तलाश ।।
बढ़ जाए कुछ हलचल ।
बनें हम भी ख़ास ।।
नया कलेवर नया रूप ।
है हमको अपनाना ।।
बन जाए कुछ इस तरह ।
मौसम ये सुहाना ।।
लग गए हैं काम पर ।
लोग कुछ हमारे ।।
करें थोड़ा इंतज़ार ।
और फिर निहारें ।।

आज का इतिहास

- **1803-** आज ही के दिन 11 सितंबर 1803 को द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध के अंतर्गत दिल्ली लड़ाई की शुरुआत की गयी थी।
- **1882-** तमिल कवि सुब्रह्मण्य भारती का जन्म 11 सितंबर 1882 को हुआ।
- **1895-** भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रसिद्ध गांधीवादी नेता विनोबा भावे का जन्म 11 सितंबर 1895 को हुआ।
- **1901-** प्रसिद्ध मराठी साहित्यकार आत्माराम रावजी देशपांडे का जन्म 11 सितंबर 1901 को हुआ।
- **1911-** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की ओर से पहला शतक जमाने वाले क्रिकेटर लाला अमरनाथ का जन्म 11 सितंबर 1911 को हुआ।
- **1919-** आधुनिक काल के प्रसिद्ध हिन्दी व राजस्थानी लेखक कन्हैयालाल सेठिया का जन्म 11 सितंबर 1919 को हुआ।

जी -20 की सफलता से भारत और दुनिया की राजनीति पर होगा दूरगामी असर

आलोक मेहता

जी - 20 देशों के दिल्ली शिखर सम्मेलन से दुनिया को विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और विकास के रास्ते खुल रहे हैं , वहीं भारत और इसकी राजनीति पर दूरगामी असर रहने वाला है। खासकर अगले वर्ष होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व में प्रतिष्ठा की छवि तथा आर्थिक विकास के लिए अनेक देशों से समझौते से सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी को लाभ मिल सकता है। पाकिस्तान और चीन भी अब दुनिया के दबाव में रहेंगे और भारत विरोधी उनकी गतिविधियों पर अंकुश लग सकेगा। वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है और भारत-अमेरिका संबंध परिणामी रिश्तों में से एक हैं। अमेरिका, यूरोप, आसियान , लातिन अमेरिका और अफ्रीका के देश भारत द्वारा विश्व में शांति , पर्यावरण संरक्षण , स्वास्थ्य रक्षा आदि मानव कल्याण के कार्यक्रमों के लिए सहमत हुए हैं ।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय कूटनीति की सबसे बड़ी उपलब्धी यह है कि जी - 20 सम्मलेन में अमेरिका, यूरोप के साथ रुस और चीन को किसी भी देश द्वारा परमाणु हथियारों की धमकी न देने, किसी देश की सम्प्रभुता का अतिक्रमण न करने और आतंकवाद के कड़े विरोध का घोषणा पत्र जारी करवा दिया। इसके साथ ही यूक्रेन की युद्ध की स्थिति पर चिंता और शांति पर जोर दिया गया , लेकिन आक्रामक रुस के नाम तक का जिक्र नहीं किया गया । यह मोदी जयशंकर की चतुर राजनयिक क्षमता का परिणाम है । इससे रुस यूक्रेन के बीच शांति प्रयासों में भी सहायता मिल सकती है। दूसरी तरफ भारत पश्चिम एशिया मध्य पूर्व , यूरोप , जर्मनी , इटली और अमेरिका के बीच आर्थिक कॉरिडोर के ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने की । इससे समुद्री , वायु और थल मार्गों से विश्व व्यापार का नया अध्याय प्रारम्भ शुरू हो सकेगा । यह चीन द्वारा पाकिस्तान , श्रीलंका , म्यांमार के रास्ते यूरोप की तरफ आर्थिक कॉरिडोर मार्ग के प्रयास का करारा जवाब है ।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि वंचितों, समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों की सेवा करने के उनके मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रगति के मानव केंद्रित तरीके पर भारत के जोर को भी रेखांकित किया । श्री मोदी ने कहा, ''हम सतत भविष्य के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), हरित विकास समझौते की प्रगति में तेजी लाना चाहते हैं और 21वीं सदी के लिए बहुपक्षीय संस्थानों को मजबूत करना चाहते हैं। हम तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य के क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देते हैं। हम लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और विश्व शांति सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करेंगे। जहां भारत को इस विभाजित दुनिया में अग्रणी भूमिका निभाना है, जिसकी लंबे समय तक छाप छोड़ना भी एक मूलभूत उद्देश्य है। साथ ही विकासशील देशों के सरोकारों को आगे बढ़ाना और उनके मुद्दों को प्राथमिकता से रखना भी भारत की जिम्मेदारी है । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने तो इस यात्रा के दौरान अपने हिंदू होने पर गर्व होने का भी जिक्र किया और यह भी कहा कि वह चरमपंथ को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जी-20 पर भारत की थीम वसुधैव कुटुंबकम को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन विषय है। जब आप एक परिवार कहते हैं तो मैं उस अविश्वसनीय जीवंत पुल का उदाहरण हूं, जिसका वर्णन प्रधानमंत्री मोदी ने यूके और भारत के बीच किया है- यूके में मेरे जैसे लगभग 20 लाख भारतीय मूल के हैं। इसलिए, ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में उस देश में रहना मेरे लिए बहुत खास है जहां से मेरा परिवार है । उनका यह सन्देश भारत के विपक्षी दलों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश है ।

ऋषि सुनक ने कहा, जी-20 भारत के लिए एक बड़ी सफलता रही है। भारत इसकी मेजबानी के लिए सही समय पर सही देश है । प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, मोदी जी और मैं दोनों हमारे दोनों देशों के बीच एक व्यापक और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते को पूरा होते देखना चाहते हैं... व्यापार सौदों में हमेशा समय लगता है, उन्हें दोनों देशों के लिए काम करने की आवश्यकता होती है। हालांकि, हमने काफी प्रगति की है, लेकिन अभी भी कड़ी मेहनत बाकी है। खालिस्तान मुद्दे पर ऋषि सुनक ने यह विश्वास दिलाया कि मैं, इसे बर्दाश्त नहीं करूंगा। यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है और मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यूके में किसी भी प्रकार का उग्रवाद या हिंसा स्वीकार्य नहीं है. इसीलिए हम विशेष रूप से खालिस्तान समर्थक उग्रवाद से निपटने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं । उन्होंने कहा, हमारे सुरक्षा मंत्री हाल ही में भारत में अपने समकक्षों से बात कर रहे थे। हमारे पास खुफिया जानकारी और जानकारी साझा करने के लिए एक साथ कार्य करने वाले समूह हैं, जिससे हम इस तरह के हिंसक उग्रवाद को जड़ से खत्म कर सकें। यह सही नहीं है और मैं इसे यूके में बर्दाश्त नहीं करूंगा । यह सन्देश कनाडा और अमेरिका में भी सक्रिय आतंकी खालिस्तानी तत्वों पर अंकुश लगाने का सन्देश भी है।

क्षेत्रीय- वैश्विक स्तर पर दक्षिण एशिया का अगुआ देश भारत ही है झ इस वजह से दक्षिण एशिया के बाकी देशों के हितों को (जो जी20 का हिस्सा नहीं है) आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी भारत की ही है । पूरी दुनिया में भारत के नाम का डंका बज रहा है । सिर्फ भारत को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को भी भारत की जरूरत है। ऐसे में दुनिया भर में भारत की बढ़ती हैसियत की घरेलू माहौल में पुष्टि करना भी एक बड़ी जिम्मेदारी है । भारत अपनी पूरी ताकत के साथ दुनिया के प्रमुख 20 देशों का नेतृत्व कर रहा है । भारत से जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर चर्चा का नेतृत्व करने की जो उम्मीद विश्व ने रखी , भारत उस पर खरा उतरा है । इस साल जलवायु परिवर्तन की वजह से भारत के कई राज्य जैसे- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में भारी तबाही मची है. इसमें जान-माल का काफी नुकसान हुआ है । भारत के अलावा कई और देश भी जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है । भारत का ध्यान विकासशील देशों को उनके जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए विकसित देशों की आवश्यकता पर केंद्रित करने पर है ।

भारत दुनिया के लिए एक देश के साथ एक बड़ा बाजार है, जहां अपनी दुकान लगाने के लिए बाकी देशों में होड़ मची हुई है. इसी का नतीजा है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है । भारत ने विकास को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में आर्थिक सुधारों की एक श्रृंखला लागू की है । दुनिया के सभी देशों को इसका फायदा मिल सके इसके लिए भारत वित्तीय विनियमन के क्षेत्र में सदस्य देशों के बीच अधिक समन्वय के लिए जोर दे रहा है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उपायों की मांग को मजबूत कर रहा है । दुनिया की आधी आबादी के पास डिजिटल सुविधाएं नहीं हैं और भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख खिलाड़ी है । सम्मेलन में भारत से टेक्नोलॉजी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सदस्य देशों के बीच अधिक सहयोग पर जोर दिया गया है । भारत जन धन-आधार-मोबाइल के जरिए अपने समावेशी डिजिटल क्रांति की विशेषता का लाभ भी दूसरों को दे सकता है । यूपीआई पेमेंट सिस्टम इसका एक बेहतरीन उदाहरण है । इससे अमेरिका यूरोप के नेता और अन्य अधिकारी भी चकित हुए हैं।

भारत को आजाद हुए 76 साल हो चुके हैं। इस दौरान देश ने कई उपलब्धियां हासिल की है । हम आज कई क्षेत्रों में टॉप-5 में हैं, कई में टॉप-3 तो कुछ जगहों पर टॉप पर हैं। इसके बावजूद भारत को विकासशील देशों में गिना जाता है। इसलिए जी20 एक ऐसा फोरम है जहां भारत अपनी श्रेष्ठता को और बेहतर ढंग से बता सका है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का भी लक्ष्य है कि जब देश आजादी के 100 साल मना रहा होगा, तब 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र होगा। दुनिया को बताने की जरूरत है कि भारत दुनिया का वैश्विक नेता बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत ने समय-समय पर दिखाया है कि विकसित देश उन्नत संसाधनों के बावजूद वो मुकाम हासिल नहीं कर पाते, जो भारत अपने सीमित संसाधनों के साथ कर लेता है। चाहे मंगलयान हो या कोविड जैसी महामारी में 140 करोड़ देशवासियों की रक्षा करना या फिर चंद्रयान-3 हर मामले में भारत औरो से बेहतर है। दुनिया के अन्य देश भी अगर भारत के साथ मिलकर काम करेंगे तो मानव समाज की उन्नति और पृथ्वी संरक्षण के प्रयास में तेजी लाई जा सकती है ।

जी20 में 19 देश- भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल रहे । अब भारत के प्रयासों और नेतृत्व से अफ्रीकी यूनियन को जी - 20 का सदस्य बना लिया गया । यह ऐतिहासिक निर्णय भारत की ताकत बढ़ाएगा । हर साल अध्यक्ष देश कुछ देशों और संगठनों को मेहमान के तौर पर भी आमंत्रित करता है। इस बार भारत ने बांग्लादेश, मिस्र , मॉरीशिस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को मेहमान के तौर पर बुलाया। वहीं नियमित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों (यूएन, आईएमएफ, डब्ल्यूबी, डब्ल्यूएचओ, डब्ल्यूटीओ, आईएलओ, एफएसबी और ओईसीडी) और क्षेत्रीय संगठनों (एयू, एयूडीए-एनईपीएडी और आसियान) की पीठों के अलावा जी20 के अध्यक्ष के रूप में भारत की ओर से आईएसए, सीडीआरआई और एडीबी को अतिथि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के रूप में आमंत्रित किया गया झ दुनिया भर के आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, भ्रष्टाचार-विरोध और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत ने सहमति बनवाई।

भारत में G20 से का सफल आयोजन हुआ और एक भी घोटाले की खबर सामने नहीं आई है। भारत ने पर्यटन को भी खूब बढ़ावा दिया । इन देशों के संस्कृति मंत्रियों की अलग से बैठक हुई। टूरिज्म वर्किंग ग्रुप से लेकर फाइनेंस वर्किंग ग्रुप्स तक की बैठकें हुईं। भारत का सबसे हाईटेक कन्वेंशन सेंटर बना कर दिल्ली में तैयार किया गया 123 एकड़ में, लेकिन कहीं कोई विवाद नहीं हुआ। न सिर्फ इसमें कर्नाटक के भगवान बसवेश्वर से प्रेरित होकर इसका नाम 'भारत मंडपम' रखा गया, नटराज की प्रतिमा भी स्थापित की गई जो तमिलनाडु के चिदंबरम मंदिर के प्रमुख देवता हैं। 2700 करोड़ रुपए में बने इस परिसर के निर्माण में कहीं कोई घपले को लेकर आरोप तक नहीं लगे। प्रधान मंत्री मोदी ने मजदूरों को सम्मानित किया सो अलग, यहाँ मजदूरों को समस्या वाली कोई बात भी सामने नहीं आई। बड़ी बात ये है कि जिस कॉमनवेल्थ गेम्स में देश की छवि बिगड़ी थी, आज उसी कॉमनवेल्थ की सेक्रेटरी पैट्रिका स्कॉटलैंड त20 समिट के समय भारत की तारीफ की । उनका कहना है कि इससे वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। यही नहीं, उन्होंने ISRO के 'चंद्रयान 3' और 'आदित्य एल1' मिशन की भी प्रशंसा की। साथ ही डिजिटल क्रांति को लेकर भी भारत की वो कायल हैं। उन्होंने कहा कि भारत अभूतपूर्व सफलता प्राप्त कर रहा है।

किसी भी देश को जब किसी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की मेजबानी मिलती है तो उसके बाद मौका होता है अपनी ताकत दिखाने का, अपनी संस्कृति के प्रचार-प्रसार का और अपने यहाँ चल रही जन-कल्याणकारी योजनाओं से दुनिया को सीख देने का। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की G20 अध्यक्षता का इस्तेमाल 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' को बढ़ावा देने के लिए किया । भारत ने ग्रीन डेवलपमेंट से लेकर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को अपनी G20 अध्यक्षता की प्राथमिकताओं में गिनाया ।भारत अपने पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान दोनों की गैर जरूरी नाराजगी की कोई परवाह नहीं करता। देश की एकता, अखंड़ता और इसकी संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। भारत न तो दबता है, न झुकता है। अपने रास्ते पर चलता रहता है। उन्होंने इसी प्रतिबद्धता के साथ जी-20 का नारा वसुधैव कुटुम्बकम् पर भी अपना पक्ष रखा।

रेटिंग एजेंसियों की मनमानी पर लगाम के लिए वित्तीय संस्थानों को होना पड़ेगा एकजुट

त्यागी और बिशन नेहवाल

कुछ दिन पहले ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत की संप्रभु क्रेडिट रेटिंग (एससीआर) पर एक बड़ी घोषणा करते हुए भारत की रेटिंग को बीएए3 पर बरकरार रखा है और देश की दीर्घकालिक स्थिति को स्थिर रखा है। रेटिंग की घोषणा करते हुए मूडीज ने संतुलित टिप्पणी करते हुए कहा है कि पिछले सात से दस वर्षों में भारत की संभावित आर्थिक प्रगति की दर में कमी देखी गई है। लेकिन आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर काफी तेजी से विकास करेगी। यह खबर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भले ही ज्यादा उत्साहवर्धक न हो, पर सुकून देने वाली हो सकती है। क्योंकि किसी भी देश की रेटिंग का उस देश में आने वाले विदेशी निवेश पर प्रभाव पड़ता है। विदेशी निवेशक उसी को देखकर निवेश बढ़ाते या घटाते हैं, साथ ही विदेश से लिए जाने वाले कर्ज की ब्याज दरें भी उस पर निर्भर करती हैं।

कहने को मूडीज, फिच, स्टैंडर्ड ऐंड पूअर, जैसी स्वायत्त निजी क्षेत्र की स्वतंत्र रेटिंग संस्थाएं हैं, पर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को हिलाने में इनका एक बयान ही काफी है। यही कारण है कि समय-समय पर इन संस्थाओं की कार्यशैली, मानकों, रेटिंग के तरीकों पर सवाल उठते रहे हैं। वर्ष 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की विफलता के सबसे प्रमुख उदाहरणों में से एक है। एनरॉन स्कैंडल (2001) सभी को याद है, जिसने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया था। इसके अलावा ग्लोबल क्रेडिट संकट (2002) और यूरोपीय संप्रभु ऋण संकट (2010-12) के दौरान भी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को यूरोपीय ऋण संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था।

अभी हाल ही में भारत के बड़े औद्योगिक समूह अडानी ग्रुप के वित्तीय संकट के दौरान भी इन रेटिंग एजेंसियों की भूमिका

संदिग्ध रही है। इसके अलावा भारत में सत्यम घोटाला, पीएनबी संकट, आईएल ऐंड एफएस जैसे वित्तीय संकट इन रेटिंग एजेंसियों की विफलता का ही परिणाम हैं। ये तो मात्र कुछ उदाहरण हैं, जिनमें क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां वित्तीय उत्पादों, निगमों और यहां तक कि पूरे देशों सहित विभिन्न संस्थाओं की साख का सटीक और समय पर आकलन प्रदान करने में विफल रही हैं।

इसके अलावा हजारों ऐसे उदाहरण मिल जाएंगे, जहां रेटिंग एजेंसियों की धोखाधड़ी या विफलता के कारण निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान झेलना पड़ा है। ये क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां किसी भी देश के प्रति जवाबदेह नहीं हैं और न ही उनकी कार्यप्रणाली पारदर्शी है। फिर भी इनका विश्व अर्थव्यवस्था पर कड़ा नियंत्रण है, क्योंकि उनकी रेटिंग के परिणामस्वरूप किसी भी देश से पूंजी का पलायन हो सकता है। करीब 95 फीसदी बाजार केवल तीन क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (एस ऐंड पी, मूडीज और फिच) द्वारा नियंत्रित है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए कई नियामक सुधार भी पेश किए जा चुके हैं, लेकिन इन एजेंसियों का राजनीतिक, पूंजीपति आधिपत्य इतना मजबूत है कि अब तक कोई सकारात्मक सुधार संभव नहीं हो पाया है।

अब समय आ गया है कि इन रेटिंग एजेंसियों की मनमानी और विफलता रोकने के लिए सभी वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं, वित्तीय संस्थान, नियामक निकाय साथ आएं और महत्वपूर्ण कदम उठाएं। इन एजेंसियों के काम का स्तर उच्च बनाने, वित्तीय निष्पादन और निवेशकों की सुरक्षा में सुधार के लिए इन एजेंसियों का विनियमित करना बहुत आवश्यक है। साथ ही इन एजेंसियों की कानूनी जवाबदेही भी बढ़ाई जानी चाहिए। प्रौद्योगिकी की मदद से पूरी तरह से पारदर्शी इनपुट और आउटपुट के साथ ऐसा ओपन सोर्स मॉडल विकसित किया जाए, जिससे हितों के टकराव पर रोक लगने के साथ गुणवत्ता व पारदर्शिता बढ़ने में मदद मिले। आज समय की मांग है कि सभी वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आएं और इन निजी रेटिंग एजेंसियों पर निर्भर होने के बजाय, अपना खुद का नियामक आयोग बनाते हुए रेटिंग तंत्र विकसित करें।

- साभार : केसी त्यागी पूर्व सांसद, एवं बिशन नेहवाल आर्थिक चिंतक हैं।

बच्छा बारस पर माहेश्वरी महिला मंडल ने किया बछड़ों का पूजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बच्छा बारस की पूजा संपत सारडा के निवास पर पूजा की यह पूजा महिलाओ द्वारा भादो मास की बारस तिथि पर की जाती है।आज के दिन महिलाओं द्वारा गाय बछड़े की पूजा की जाती है भैंस के गोबर का ओबडा बनाकर उसमें जल दूध दही डालकर पूजा होती है। इस दिन पार्वतीजी की पूजा होती है सभी माताएं अपने बच्चों की लंबी आयु के लिए यह पूजा करती हैं महिलाओ द्वारा इस दिन ज्वार बाजरा चना मोट अनाज खाया जाता है, गेहूं का उपयोग नहीं किया जाता है । इस दिन चाकू कैची का उपयोग भी नहीं किया जाता है बेटे की मां ओबडे की पूजा कर बंसराज हंसराज की कहानी कहती है तत्पश्चात बेटे की मां अपने पुत्र को आवाज देकर बुलाती है पुत्र द्वारा गोबर से बने ओबडे को उंगली से चीरकर लड्डू उठाया जाता है। इस दौरान महिलाओ मे नीरू राठी रामकुवर बाई प्रेमलता तोषनीवाल शीला सारडा शीला खडलोया बर्षा सारडा उषा सारडा अनुपमा तोषनीवाल सुनीता तोषनीवाल श्वेता खडलोया पूजा खडलोया पुनीता सारडा नीतिका सारडा खुशबू सारडा प्रियंका सारडा अर्ची सारडा सहित महिलाएं उपस्थित रहीं।

नर्मदापुरम के गली-चौराहे होंगे रोशन, करेली में लगे भ्रष्टाचार के आरोप

इधर, सीएमओ लगवा रहे हैं हाई मास्ट लाइट

नगर में अवस्थित विद्युत व्यवस्था को व्यवस्थित किया जा रहा है. चौक चौराहा पर हाई मास्ट लाइट लगाकर रोशनी को विस्तार देने का काम विद्युत शाखा के कर्मचारियों द्वारा अनवरत चल रहा है. रविवार को नगर पालिका की विद्युत शाखा के कर्मचारियों द्वारा नेहरू पार्क के सामने हाई मास्ट रोशनी के लिए विद्युत खम्मा लगाया गया. इसके पहले कॉलेज चौराहा एसपी ऑफिस चौराहा आदि स्थानों पर भी हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था की गई है.

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका की विद्युत शाखा के जिम्मेदार कर्मचारियों ओ पी रावत ने बताया कि सीएमओ नवनीत पांडे के नेतृत्व में नगर को रोशन किया जा रहा है। जहां-जहां नगर में विद्युत व्यवस्था की गड़बड़ी है, वहां वहां जाकर विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। नगर पालिका में जब भी कोई विद्युत संबंधी शिकायत आती है तो उसके निराकरण के लिए मैदानी कर्मचारी तत्काल वहां पहुंचकर विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करते हैं. हाई मास्ट लाइट के अलावा नगर में सौंदर्य करण के लिए भी विद्युत प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है. नेशनल हाईवे 69 रसूलिया क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर भी नगर सौंदर्य करने के तहत विद्युत प्रकाश व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने के प्रयास जारी रहेंगे. उल्लेखनीय है कि जब से मुख नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे द्वारा नगर की विद्युत व्यवस्था संबंधी टीम का नए सिरे से गठन किया गया है तब से नगर की विद्युत व्यवस्था गतिशील दिखाई दे रही है. विद्युत शाखा के कर्मचारी देर रात तक विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं. विद्युत शाखा के ओपी रावत तथा उनके सहयोगी विजय श्रीवास नगर के विद्युत सुधार कार्य को लेकर दिनभर नगर के उन क्षेत्रों का भ्रमण करते रहते हैं जहां विद्युत वाधित होने की शिकायतें मिलती रहती हैं.

रचनात्मक गतिविधियों से जागरूक करें : आगामी विधानसभा निर्वाचन की दृष्टिगत मतदाता जागरूकता के संबंध में मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह की उपस्थिति में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री एसएस रावत सहित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स उपस्थित रहें। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोगों तक जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लोगों ने दिए सुझाव- एलईडी की जगह ट्यूब लाइट लगाएं

नगर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में एलईडी बल्ब का उपयोग किया जा रहा है. यह कभी भी खराब होते रहते हैं. या तो इनको बदलो या फिर इनको रिपेयर कराओ. रिपेयर करने में लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है. नया खरीदने में अनावश्यक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. नागरिकों ने सुझाव दिया है कि स्ट्रीट लाइट के खम्बो में ट्यूबलाइट सिस्टम लागू किया जाए ताकि खराब होने पर इसे तत्काल ठीक किया जा सके. ट्यूबलाइट में राड और चौक ही खराब होते रहते हैं इन्हें आसानी से तत्काल बदलकर विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाए जा सकता है. इसमें खर्च भी काम आता है और सुधार कार्य में भी समय कम लगता है.

उधर, सीएमओ के विरुद्ध धरना

नगर पालिका मे अधिकारी इतने बैखोफ कैसे हो सकते हैं जो सरकार के खिलाफ जाकर कार्य तों कर ही रहे हैं बही अपनी मर्जी से खरीदीकर जनता के पैसो की होली जलाने मे तुले हैं ऐसा ही एक मामला सामने आया हैं ज़ब नपा अध्यक्ष सुशीला ममार ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मीडिया के सामने अपनी बात रखी।

करेली, दोपहर मेट्रो।

भाजपा पार्टी की वरिष्ठ नेत्री और करेली नगर पालिका की अध्यक्ष सुशीला ममार अपनी ही नगरपालिका सीएमओ पूजा बुनकर के खिलाफ नगरपालिका मीटिंग हॉल में नपा उपाध्यक्ष और पार्षदों के साथ धरने पर बैठ गई। इस दौरान नगरपालिका की अध्यक्ष ने नगर पालिका सीएमओ पूजा बुनकर पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उनकी कार्य प्रणाली से नाराज होना बताया इतना ही नही इस दौरान नपा अध्यक्ष ने कहा की अब पानी सर से ऊपर हो गया हैं सीएमओ बुनकर अपनी मनमर्जी कर जनता के रुपयों की होली जलाने पर तुली हुई हैं उन्होंने बताया की ज़ब से करेली नगरपालिक में मुख्य नगरपालिका के पद पर पूजा बुनकर आयी हैं तभी से आम जनता के कार्य बिलकुल भी नहीं हो रहे हैं।

सीएमओ ने लाखों की खरीदी में भारी भ्रष्टाचार किया है उन्होंने इस दौरान नपा कार्यालय में लगे ए.सी. जो बगैर दर स्वीकृति वर्क ऑर्डर के ए सी लगवाए गय जो नियम विरुद्ध है। ए सी का उदाहरण देते हुए कहा की पूजा बुनकर ने नगर पालिका में लगे हुए 6 एसी में प्रति ए.सी.की खरीदी में हजारों रुपए का भ्रष्टाचार किया है जो एसी बाजार में 55 से 60 हजार में मिल रहा है उस एसी का 80 हजार रुपए में भुगतान नस्ती बनाई गई हैं इस तरह देखा जाए तो नगरपालिका सीएमओ द्वारा मनमाने ढंग से खरीदी की जा रही हैं न तो अध्यक्ष से पूछा जाता और न ही उपाध्यक्ष से। रसोई घर के लिए आई स्टील टेबल बगैर दर स्वीकृति के क्रय की जबकी अधिक दरें होने के कारण अध्यक्ष ने अस्वीकृति दी, इसी तरह मच्छर मारने वाला किसोलिक पाउडर की खरीदी एवं भुगतान किया गया जो नगर पालिका में आया ही नहीं, जिसकी पुष्टि अपर कलेक्टर ने की एवं पंचनामा बनाया,फोटोग्राफ भी लिए। अन्य विभागों द्वारा भारी मात्रा में की गई खरीदी की जांच लेखा अधिकारी न होने से आगामी कार्यदिवस में करने का अध्यक्ष को भरोसा दिलाया। अपर कलेक्टर के आश्वासन पर अध्यक्ष सुशीला ममार ने अपने धरने को स्थगित किया।

शिक्षक का सम्मान हर दिन होना चाहिए : डॉ. सीतासरन

नर्मदापुरम पत्रकार संघ ने किया सम्मान

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

शिक्षक का सम्मान हर दिन, प्रत्येक क्षण होता है। इसके लिए कोई एक दिन नहीं होता। शिक्षक को जीवनभर सम्मान मिलता है। नौकरीपेशा अधिकारी यदि रिटायर हो जाए, जनप्रतिनिधि भी यदि पूर्व हो जाए तो उसे सम्मान नहीं मिलता।

वे बच्चे को कमजोरी के साथ स्वीकार करते और मजबूत बनाकर जीना सिखाते हैं। यह बात पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने नर्मदापुरम पत्रकार संघ के शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि कही। शहर के निजी स्कूलों, कोचिंग के 57 शिक्षक- शिक्षिकाओं, संचालकों का सम्मान किया। अध्यक्षता नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने की। विशेष अतिथि विधायक प्रतिनिधि जगदीश मालवीय रहे। संयोजक जितेन्द्र ओझा ने कहा कि यह पहला अवसर है कि शिक्षकों के साथ ही स्कूलों और कोचिंग संचालकों के सम्मान के लिए पत्रकार संघ आगे आया है।

डेकना गांव में 256 हितग्राही हुए चरण पादुका योजना से लाभान्वित

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

वन विभाग की ओर से तेंदूपत्ता संग्रहको को जूते, चप्पल, साड़ियां, पीने के पानी के बाटल का वितरण किया जा रहा है। तहसील के अंतिम ग्राम पंचायत डेकना के पंचायत भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डेकना के 99, वन ग्राम पलासी 62, वन ग्राम आमा कटरा के 53, वन ग्राम गीतखेड़ा के 42 हितग्राहियों को सामग्री वितरण की गई। विधायक प्रेम शंकर वर्मा ने मप्र सरकार की जनहितेसी योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर विधायक प्रेम शंकर वर्मा, बरिष्ठ नेता संतोष पारीख, शम्भू सिँह भाटी, रघुवीर सिंह राजपूत, अमित पटेल, सांसद प्रतिनिधि संदीप सिँह तंवर, जिला पंचायत सदस्य मधु धुर्वे, अनुसूचित मोर्चा भाजपा बबलू उइके, मंडल अध्यक्ष वरुण पटेल, जनपद सदस्य राम प्यारी बाई, सरपंच सोभा बाई, बरिष्ठ नेता यशवंत पटेल, जिला पंचायत सदस्य अजित मंडलोई, मंडल अध्यक्ष जितेंद्र राजपूत, युवा मोर्चा विशाल राजपूत, नरहरी पटेल, वन एसडीओ के,एस,सेंगर एसडीएम अनिल जैन, रेंजर बंदना मेहतो, जनपद सीओ, पूर्व सरपंच तेज सिंह राजपूत,ग्राम पंचायत सचिव रामकृष्ण लोबांसी डिप्टी रेंजर बी एल अहिरवार, डिप्टी डेंजर रामू पहाडे, सहायक सचिव राहुल सिंह राजपूत सहितआसपास के ग्रामवासी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | सिटी पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतर्राज्यीय गिरोह

मां-बेटे और उड़ीसा के सहयोगी से पकड़ा चार लाख रु. कीमत का 31 किलो गांजा

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

सिटी पुलिस ने अंतर्राज्यीय गाँजा तस्कर गिरोह के महिला सहित तीन सदस्य गिरफ्तार किए। गिरोह के दो सदस्य मां बेटा और एक सदस्य उड़ीसा का है।

एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान ने बताया 466950/- रुपये कीमती 31 किलो 130 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त कर पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरण सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशूतोष मिश्र के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इटारसी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व मे अवैध मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये

यह बड़ी सफलता प्राप्त की है। कार्यवाही के दौरान अंतर्राज्यीय गाँजा तस्कर गिरोह के महिला सहित तीन सदस्य को गिरफ्तार कर 31 किलो 130 ग्राम गांजा जप्त किया है। ज्ञात हो कि सिटी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शहर का एक गुंडा बदमाश अपनी माँ व उड़ीसा के गाँजा तस्कर के साथ तीनो एक एक बड़े वेग से अवैध मादक पदार्थ गाँजा लेकर उड़ीसा से आये है तथा उक्त गाँजा को खपाने की फिराक में 12 बंगला से न्यूयार्ड जाने वाले पर एफसीआई कम्पाउंड के दीवार से लगे शिव मंदिर के चबूतरे के पास इटारसी मे खडे हैं,

उक्त प्राप्त सूचना पर थाना इटारसी के पुलिस बल के द्वारा इसी दौरान अविलंब प्रभावी कार्यवाही करते हुये मौके पर पहुंचकर इटारसी के एक गुंडा बदमाश मनोज पांडे को उसकी माँ तथा उडीसा के एक गांजा तस्कर राहुल गौतम आरोपी के कब्जे से 31 किलो 130 ग्राम गांजा जप्त कर तीनो आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

कलेक्टर ने की संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा

नर्मदापुरम। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विशेष संक्षिप्त परीक्षण की गतिविधियों की विस्तार समीक्षा। उन्होंने सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सेक्टर अधिकारियों को निर्देशित किया कि 31 अगस्त तक जारी मतदाता सूची में नाम जोड़ने के विशेष अभियान का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जाए। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी निरंतर मतदान केंद्रों का निरीक्षण करें। मतदाता सूची में छूटे हुए मतदाताओं के नाम जोड़ने की कार्यवाही की जाए। सभी 18 वर्ष आयु के नव मतदाताओं और महिलाओं का नाम प्राथमिकता से जोड़े जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में स्वीप गतिविधियों की भी विस्तार से समीक्षा की।

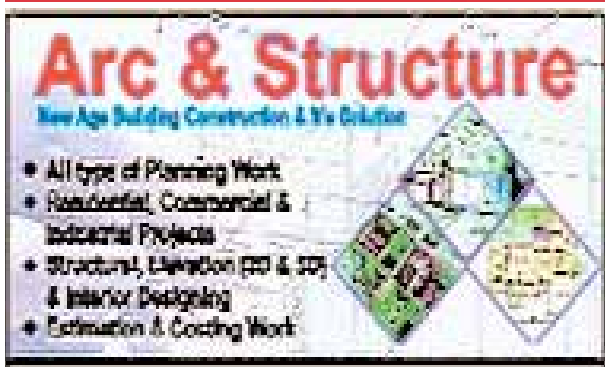

बादल छाए लेकिन तेज बारिश नहीं होने से लोग चिंतित

सिरोंज। कुछ दिनों से मौसम में बदलाव के बाद आसमान पर काली घटाओं का डेरा तो रहता है। हल्की बारिश भी हो रही है पर जिस तरह की बारिश की आवश्यकता है बैसी नहीं होने से नगर वासियों की चिंता इन दिनों सातवें म आसमान पर हैं ,अधिकारी भी चिंतित हैं क्योंकि केथन डेम अभी पूरी तरह से खाली पड़ा हुआ है । उसमें 12 से 13 प्रतिषम ही पानी है जो सर्दियों को दिनों में ही खत्म हो जाएगा गर्मियों के दिनों में पानी की सप्लाई मुश्किल हो जाएगी। गर्मी से भी मुक्ति नहीं मिल पा रही है । शहर वासियों की प्यास बुझाने के लिए केथन डेम का भरन अति आवश्यक है उसके लिए झमाझम बारिश होगी तभी डैम के जलस्तर में वृद्धि होगी तीन दिनों से हल्की बारिश तो हो रही है जोरदार बारिश नहीं होने से तापमान में भी गिरावट नहीं हो रही है। नदी नाले भी खाली पड़े हैं। जलस्तर में भी वृद्धि नहीं हुई है विकासखंड में अभी 500 मिली मीटर का आंकड़ा अभी पर नहीं हुआ है।

अवगुणों के कारण ही भाइयों के बीच में महाभारत हो रहा है : तिवारी

ग्राम पिपलियाहट के बाबा बर्फानी मंदिर पर चल रही कथा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्राम पिपलियाहट के बाबा बर्फानी मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा में तीसरे दिन कथा का रसपान कराते हुए तथा वाचक राम मोहन तिवारी ने कहा कि ईर्ष्या एक ऐसा मानवीय अवगुण है जो घर में भाई भाइयों में भी महाभारत जैसा कुलनाशक भीषण युद्ध करा सकता है,ईर्ष्या जैसे अवगुण से केवल बही बच सकता है जो द्वारकाधीश की शरणागति प्राप्त करता है ! वर्तमान समय में आज भी दुनिया के देश महाविनाशक आग्नेय आस्त्रों का निर्माण कर ईर्ष्या द्वेष में एक दूसरे का विनाश करने पर उतारू हैं,। केवल हमारा भारतवर्ष एक मात्र ऐसा देश है जो परमाणु अस्त्रों से सुसज्जित होने के बाद भी आज सबको शान्ति का संदेश दे रहा है। क्योंकि ये राम और कृष्ण की पावन भूमि है,क्षमा वीरस्य भूषणम,महाभारत में दुर्योधन सदैव धर्मनिष्ठ पांडवो से ईर्ष्या करता रहा और अंत में अपने सौ भाइयों सहित कुरुक्षेत्र के युद्ध में मृत्यु

को प्राप्त हुआ। उन्होंने ने सबको संकल्पित कराया कि जीवन में किसी से ईर्ष्या नहीं करेंगे सत्य के मार्ग पर पर चलते हुए अपने कर्म करेंगे एवं ईश्वर की भक्ति करेंगे तो कभी परेशानी नहीं आएगी मन भी विचलित नही होग अवगुण भी जीवन में प्रवेश नहीं करेंगे हमेशा गलत संगत बालों से से दूर रहना चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रोतागण मौजूद थे ।

न्यूज गैलरी

श्रीमदन मोहन सरकार से लगाई अर्जी

सिरोंज। नगर के प्रसिद्ध देवा धी देव श्री मदन मोहन सरकार के मंदिर में विदिषा विधायक शंषाक भार्गव, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेष कटारे, कुरवाई विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याषी एडवोकेट सुभाष बोहत, इंका नेता शेरा मालवीय, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजीव जैन सैनानी, इंका नेता बंटी सक्सेना, विदिषा कांग्रेस के अध्यक्ष नरेन्द्र रघुवंषी, महेन्द्र रघुवंषी, सोमू रघुवंषी आदि ने सरकार के दरबार में पूजा अर्चना की एंव अमनिया अर्पण किया। इस अवसर पर विधानसभा चुनाव में प्रदेष में कांग्रेस सरकार बनने के लिए अर्जी लगाई।

मताधिकार जागरूकता अभियान

सिरोंज। सभी वोट का उपयोग करें। उसके लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विकासखंड में रैली से लेकर दीवाल लेखन का काम जोर-जोर से चल रहा है । ग्राम बिशेष पर में दीवाल लेखन करते हुए ग्रामीणों को मताधिकार का उपयोग करने के लिए जागरूक कर मत का महत्व भी समझाया। नारो में सारे काम छोड़ो सबसे पहले दो वोट आदि नारे हर गांव में जगह जगह है लिखें जा रहे हैं। साथ ही स्कूलों के बच्चों से भी जागरूकता रैली निकलवाई जा रही है । चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है ।उसका परिणाम चुनाव में प्रतिशत में वृद्धि के रूप में देखने को मिल सकता है।

मछली ठेकेदार के कर्मचारी से मारपीट

सिरोंज। ग्राम सकलेन के पास बने डैम में मच्छी पालन का ठेका लेने वाले ठेकेदार और उसके कर्मचारियों के द्वारा गांव के अशोक यादव को चौकीदार के रूप में कम पर रखा था। शनिवार की रात्रि में उसके साथ जमकर मारपीट की धारदार हथियार से हमला किया इसके चलते वह गंभीर रूप से घायल है। सूचना के बाद उसको शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे जहां गंभीर हालात होने पर उसे विदिशा रेफ़र कर दिया जहां पर उसका उपचार कर रहा है। रविवार को पुलिस गांव में जांच पड़ताल करने के लिए भी पहुंची। थाना प्रभारी संदीप सिंह परमार ने बताया कि सुनील यादव की रिपोर्ट पर हुकुम और गब्बर पर धारा 307,324,294,323,34 आईपीसी के तहत प्रकरण पंजीकृत करके मामले की छानबीन कर रहे हैं। अशोक घायल है विदिशा में भर्ती है।

सीएम तक पहुंची शिकायत फिर भी गुणवत्ताहीन निर्माण जारी, जिम्मेदार बेखबर

सड़क बनने से ज्यादा पेमेंट होने पर भी ठेकेदार कर रहा निर्माण में देरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जिले में कायाकल्प योजना के तहत नगर में बासौदा नाके से लेकर छतरी नाका तक सड़क का चौड़ीकरण भोपाल के ठेकेदार के द्वारा कछुआ चाल को भी मत देकर किया जा रहा है। हैरानी की बात तो है कि ठेकेदार सब की छवि को धूमिल कर रहा है, वहीं इस समय नीचे से लेकर ऊपर तक भाजपा सरकार है जल्दी ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं फिर कम को तेज गति से नहीं किया जा रहा और ना गुणवत्तापूर्ण कार्य हो रहा है। शिकायतों भी लगातार हो रही है।

मामला मुख्यमंत्री तक पहुंच चुका है इसके बाद भी ना तो सड़क निर्माण में गति आई और ना ही मनमर्जी से कम करने वाले ठेकेदार पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाया जा रहे हैं आखिर किसके दबाव में लापरवाही से कम करने वाले ठेकेदार पर ऊपर से लेकर नीचे तक के अधिकारी मेहरबान है जिसके कारण नगरवासियों को प्रतिदिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। साथ ही आसपास के व्यापारियों को और भी ज्यादा परेशानी हो रही है। ऐसी स्थिति में आम जनता का गुस्सा मुख्यमंत्री की आने वाली जन आशीर्वाद यात्रा में फूट सकता है शायद तभी ठेकेदार और संबंधित विभाग के अधिकारी गहरी नींद में से जागेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विगत दिनों संबंधित ठेकेदार ने भोपाल की वरिष्ठ नेत्री के साथ मिलकर भुगतान नहीं होने की शिकायत सीएम की थी उसके बाद कमिश्नर की टीम जांच करने आए तो उसने पाया कि जो काम हुआ है उससे अधिक भुगतान हो चुका है इसके बाद टीम ने सड़क ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य तेज गति के साथ करने के निर्देश दिए थे। कमिश्नर के निर्देशों को भी दर्दनाक किया जा रहा है। अब देखना है कि सीएम के आने से पहले सड़क का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण हो पाएगा या नहीं या उनके आने के दौरान व्यापारियों का विरोध भी देखने को मिल सकता है उसके बाद ही मनमर्जी से कम करने वाले ठेकेदार तथा जिम्मेदार अधिकारियों कुंभकरण की नींद में से जागेंगे ।

इंजीनियर दी खुली छूट – इंजीनियर तो सड़क के निर्माण की जांच पड़ताल करने के लिए आते ही नहीं। इन्हें तो ठेकेदार को खुली छूट दे रखी है। रात के अंधेरे में घटिया काम को देखने नहीं आ रहे हैं। सुबह ठेकेदार के कर्मचारी घटिया काम में लीपा पोती करते हुए भी साफतौर पर दिखाई देते हैं। इसक परिणाम यह होगा कि करोड़ की लागत की सड़क जल्दी गढ़ों में तब्दील हो जाएगी। विधायक उमाकांत शर्मा ने लगभग 4 महीने पहले भूमि पूजन किया था। ठेकेदार द्वारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य नहीं कर रह है। जबकि पिछले महीने ही विधायक ने अधिकारियों के साथ सड़क का जायजा लेते हुए दिशा निर्देश दिए थे । उन्होंने काम नहीं करने वाले ठेकेदार की शिकायत सीएम से लेकर नगरी प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव, कलेक्टर स्थानीय अधिकारियों से की थी उसके बाद भी काम में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है।

बेशर्म हुई हरी फिर भी ठेकेदार को नहीं आ रही शर्म – बेशर्मी की हद को भी पर किया जा रहा है तभी तो 4 महीने में भी सड़क का निर्माण कार्य नहीं होने से दोनों तरफसड़क को खोदर कर छोड़ दिया था उसके बाद कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी के साथ व्यापारियों ने सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने के लिए प्रदर्शन भी किया था विरोध स्वरूप कांग्रेस नेताओं ने बेशर्म लगाई थी वहां अब हरि हो गई है उसमें फूल आने वाले हैं पर ठेकेदार अपना काम नहीं कर पाया है दूसरी ओर जिम्मेदारी भी कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं ।

आखिर लीपापोती क्यों

नगरीय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी भी कछुआ चाल व गुणवत्ता बिहीन निर्माण कार्य वाले ठेकेदार पर कड़ कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहे हैं आखिर किसके दबाव में जनता के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है उसके टैक्स से बनने वाली सड़क पर गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।अभी जिस गति से निर्माण कार्य होना चाहिए उसे गति से कम हुआ तो 4 महीने में भी काम नहीं हो पाऐग व्यापारियों से लेकर शहर वासियों की शिकायत को भी जिम्मेदार अधिकारी अनदेखा क्यों कर रहे हैं। समय सीमा में काम नहीं करने वाले ठेकेदार पर तत्काल ब्लैक लिस्ट ब टेंडर निरस्त करने की कार्रवाई होनी चाहिए पर ऐसा क्यों नहीं हो पा रहा है। मुख्य मंत्री तक मामला पहुंच चुका है फिर भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है जिसकी चर्चाएं भी जोरों पर है।

इनका कहना है -

गुणवत्ता का तो कोई ध्यान नहीं दिया जो टेंडर में जो शर्तें दी है उनको दरकिनार करते हुए घटिया निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी नगर पालिका प्रशासन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, इंजीनियर कभी देखने के लिए नहीं आते खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है।

- रामदयाल विश्वकर्मा, निर्दलीय पार्षद ।

इनका कहना है -

निर्माण कार्य को तेज गति से करवाया जाएगा गुणवत्ता पूर्ण यदि निर्माण नहीं हो रहा तो हम उसकी जांच भी करवाएंगे इंजीनियर को भी मैं निर्देशित करता हूं।

- जयंत वर्मा, सीएमओ, सिरोंज

चुनावी सरगर्मी

कांग्रेस थाली में सजाकर भाजपा को देती है प्रत्याशी : आईएस मौर्य

सिरोंज में त्रिकोणीय मुकाबला, कांग्रेस तीसरे स्थान पर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनेतिक पार्टियां अपने प्रत्याशियों के लिए सर्वे करवा रही है तो वही आम आदमी पार्टी ने सिरोंज लटेरी विधानसभा से अपना प्रत्याशी मैदान में उतारकर अन्य पार्टीयों के विधानसभा प्रत्याषियों की बेचेनी बड़ा दी है। आम आदमी पार्टी ने सिरोंज विधानसभा के लिए अपनी पार्टी के भोपाल के पटेल नगर में निवासरत मध्यप्रदेष आम आदमी पार्टी के प्रदेष उपाध्यक्ष व प्रदेष प्रवक्ता ईसम सिंह मौर्य को अपना प्रत्याषी बनाया है।

उन्हें आई एस मोर्य के नाम से जाना जाता है । प्रत्याषी के नाम की घोषणा के बाद पार्टी के ही कुछ लोगो में नाराजगी देखने को मिलने लगी सिरोंज में आम आदमी पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष रजत सक्सेना ने जहां मोर्य को प्रत्याषी बनाए जाने पर पार्टी द्वारा हेल्किॉप्टर से प्रत्याषी उतारने व लोकल से विधानसभा प्रत्याषी बनाने की बात करते हुए नाराजगी दिखाई आप प्रत्याषी की यदि योग्यता की बात करें तो एलएलबी एवं एम.ए सहित विभिन्न डिग्रीया करे हुए है । सूत्रों की माने तो कांग्रेस में गुट बाज़ियों को देखते हुये कांगेस पार्टी दूसरे स्थान की जगह तीसरे स्थान पर पहुँच सकती है क्यूंकि सिरोंज में पिछले चुनावों में देखा गया जिसको पार्टी द्वारा टिकिट नहीं दिया जाता है वोह अंदरूनी कांगेस की जगह दूसरी पार्टी को सपोर्ट करने का काम करता है ।

बसपा से लड़े थे पिछला चुनाव

ैरतलब है कि आई.एस मोर्य 2018 का विधानसभा चुनाव बसपा से सिरोंज विधानसभा प्रत्याषी बनकर लड़ चुके है 2018 में भाजपा से उमाकांत शर्मा और कांग्रेस से मसर्रत शाहिद प्रत्याषी थी बसपा से चुनाव लड़ने पर आई एस मोर्य को लगभग 11500 वोट मिले थे और यही कारण था कि कांग्रेस को भी इससे नुकसान हुआ था और भाजपा प्रत्याषी उमाकांत शर्मा ने लगभग 35 हजार वोटो से विजय श्री प्राप्त की थी मोर्य बसपा में प्रदेष के कई पदों पर रहे थे परंतु पिछले चुनाव के बाद आप का दामन थाम लिया और इस बार फिर आप से प्रत्याषी बनकर मैदान में है ।

कांग्रेस थाली में सजाकर देती है प्रत्याषी,होगा त्रिकोणीय मुकाबला – मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए आप प्रत्याषी आई एस मोर्य ने कहा कि इस बार फिर सिरोंज लटेरी विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबला होगा मोर्य ने कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता पर भी नाम न लेकर कटाक्ष किया कहा कि कौन आदमी सिरोज में कांग्रेस का टिकिट देता आ रहा है, किसी से छुपा नही है। किस रिश्ते से देता आ रहा यह भी सब जानते हैं। कांग्रेस सिरोंज में चुनाव नही लड़ती बल्कि भाजपा को थाली में सजाकर प्रत्याषी देती है जिस कारण भाजपा जीत जाती है सिरोंज में कांग्रेस का मतदाता है पर कांग्रेस चुनाव नही जीतेगी बस कांग्रेस त्रिकोणीय बना देती है त्रिकोणीय मुकाबला रहेगा जिसमें आम आदमी पार्टी सबसे आगे होगी ।

नाराजगी पर कहा 11500 वोट ले चुका हूं हेलिकाप्टर वाला नही – विधानसभ टिकिट होने के बाद आप पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष रजत सक्सेना के विरोध पर की पार्टी हैल्किाप्टर से प्रत्याषी न उतारे लोकल के व्यक्ति को टिकिट दे पर मोर्य ने कहा कि पिछले चुनाव में वह 11500 वोट ले चुके है जिससे साफजाहिर होता है कि मैं हैल्किाप्टर से नही उतारा गया हूं जनता के बीच रहा हूं और रहूंगा साथ ही कहा कि दस लोग टिकिट मांगते है पर मिलता एक को ही है कुछ हद तक नाराजगी हो सकती है परंतु हम सब एक ही परिवार के सदस्य है मिलकर काम करेंगें।

दस गारंटियां लेकर जनता के बीच जाएंगे

आम आदमी पार्टी
Aam Aadmi Party

दिल्ली और पंजाब की पालिसी को लेकर आम आदमी पार्टी जनता के बीच जाएगी जिसमें अमीरी गरीबी का भेदभाव हटाकर दस गांरटीया जो दिल्ली और पंजाब सरकार में दी जार ही है उन्हें प्रदेष में लागू करवाएंगे जिसमें सभी को फ्री षिक्षा मिले, मोहल्ला क्लीनिक हो, तीन हजार बेरोजगारों को भत्ता हो, तीर्थ यात्रा वालों को 1500 देंगें साथ ही पूरी दस गांरटीयों को पूरा करेंगे इसके साथ ही कई स्थानीय समस्याओं पर खरा उतरेंगें जो वर्तमान में सिरोंज लटेरी में देखी जा रही है।

स्थानीय समस्याएं नहीं बता सके मौर्य

वही मीडिया के सवाल पर कि किन स्थानीय मुददों को लेकर जनता के बीच रहेंगें क्या समस्याएं है इसका सीधा जवाब नही दे सकें इसके साथ ही यदि आम जनता की माने तो चौक चौराहे पर जन चर्चा का विषय है कि पिछला चुनाव लड़ने के बाद पांच सालों मे अब तक आम जन की किसी विषेष समस्या पर खरा नही उतरें न ही कोरोना काल में आमजन के बीच दस्तक दी जिसके बाद अब आप के प्रत्याषी के रूप में देखना यह है कि क्या 2018 में लिए 11500 वोट से आगे बड़ पाएंगे या फिर इस आकड़े तक ही सिमट जाएंगे चूंकि हमेषा सिरोंज ने बाहरी प्रत्याषी को बाहर का रास्ता दिखाया परंतु आप प्रत्याषी आई एस मोर्य के हौसलों से मानो यह चुनाव दिलचस्प होगा।

● वनडे-रैंकिंग ●

ऑस्ट्रेलिया बना नंबर वन, दूसरे स्थान पर फिसला पाक

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया टीम वनडे में नंबर-1 बन गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वनडे टीम रैंकिंग अपडेट की है। जहां ऑस्ट्रेलिया टीम पाकिस्तान को पछाड़कर टॉप पर पहुंच गई है। पिछले महीने एशिया कप शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तान ने श्रीलंका में अफगानिस्तान के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज जीती, और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बन गया था। लेकिन, अब पाकिस्तान दूसरे नंबर पर फिसल गया है।

ऑस्ट्रेलिया के 121 रेटिंग पॉइंट्स हो गए: ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को पांच मैचों की वनडे के दूसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को हराकर रैंकिंग में पहला स्पॉट हासिल किया। दूसरे वनडे में जीत से ऑस्ट्रेलिया के कुल 121 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं और उसने पाकिस्तान को एक रेटिंग पॉइंट्स से पीछे छोड़ दिया है। भारत 114 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है।

आज रिजर्व डे पर होगा भारत-पाकिस्तान का मैच, 24.1 ओवर में इंडिया का स्कोर 147/2

बारिश के कारण रुक रहे मैच पर उठे सवाल तो श्रीलंका बोला - यह एसीसी का फैसला

कोलंबो, एजेंसी

एशिया कप में भारत ने तीसरा मैच खेला और तीनों में बारिश की वजह से रुकावट हुई। ये तीनों ही मुकाबले श्रीलंका में हुए। श्रीलंका में बारिश के बीच हो रहा एशिया कप एशियन क्रिकेट काउंसिल मैनेजमेंट की पोल खोल रहा है। बड़ा सवाल यह है कि अगर पहले से पता था कि सितंबर महीने में दूसरे सप्ताह के बाद श्रीलंका में बारिश बहुत होती है तो फिर वहां एशिया कप कराया ही क्यों जा रहा है? इस पर श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कहना है कि एशिया कप कराने का फैसला हमने नहीं लिया। ये फैसला एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) का है। बोर्ड ने एसीसी को इस मिस-मैनेजमेंट के पीछे जिम्मेदार बताया।

दरअसल, एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। टूर्नामेंट के सभी 13 मैच पाकिस्तान में होने थे, लेकिन बीसीसीआई ने टीम को पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया। इसके बाद एसीसी चीफ जय शाह ने पीसीबी के साथ मीटिंग की और तय किया कि टूर्नामेंट के 4 मैच पाकिस्तान और 9 मैच श्रीलंका में होंगे।

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला एक बार फिर बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका। अब 11 सितंबर को रिजर्व डे पर होगा। भारत ने 24.1 ओवर तक बैटिंग कर ली है, रिजर्व डे पर यहीं से मैच फिर खेला जाएगा। 11 के बाद 12 सितंबर को भारत-श्रीलंका के बीच मैच भी होगा।

शेड्यूल ही सही नहीं...

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह एसीसी के चीफ हैं। एशिया कप की खराब शेड्यूलिंग पर बहस शुरू होने से पहले वर्ल्ड कप के शेड्यूल से जुड़े विवाद भी चर्चा में रहे हैं। वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट से ठीक 100 दिन पहले आईसीसी ने टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया। आमतौर पर साल भर पहले ही शेड्यूल की घोषणा हो जाती है, लेकिन इस बार बहुत ज्यादा देरी हुई। इस बारे में पूछे जाने पर आईसीसी की ओर से परोक्ष रूप से यही कहा गया कि जब तक बीसीसीआई शेड्यूल फाइनल नहीं करता तब तक हम कैसे कुछ भी घोषणा कर सकते थे। परेशानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ दिन के बाद अहमदाबाद से डिमांड आई कि वे 15 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच होस्ट नहीं कर सकते, क्योंकि उस दिन नवरात्रि त्योहार है।

अब लगातार तीन दिन क्रिकेट खेलना पड़ेगा

एसीसी ने सुपर-4 स्टेज का वेन्यू चेंज नहीं किया, लेकिन बीच टूर्नामेंट में नियम बदल दिए। ने ब्रॉडकास्टर्स के दबाव में सिर्फ भारत-पाक के बीच मैच के लिए रिजर्व डे रख दिया। अब टीम इंडिया को लगातार 3 दिन क्रिकेट खेलना पड़ेगा। 10 सिंतबर को भारत-पाक मैच शुरू हुआ, जो रिजर्व डे पर शिफ्ट हो गया। यानी टीम इंडिया अब 11 सितंबर को बाकी मुकाबला खेलेगी। इस मैच के बाद 12 सितंबर को ही टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 में अपना दूसरा मुकाबला भी खेलना होगा।

आखिर कोलंबो ही क्यों चुना?

श्रीलंका के 5 शहरों में 7 इंटरनेशनल स्टेडियम हैं। कोलंबो में 3 और बाकी 4 शहरों में एक-एक स्टेडियम है। एशिया कप के 9 मैच कैंडी और कोलंबो शहर को मिले। गॉल, हंबनटोटा और दाम्बुला में मैच नहीं कराए गए। दाम्बुला सितंबर के दौरान श्रीलंका का सबसे सूखा एरिया रहता है, लेकिन श्रीलंका बोर्ड ने कहा कि यहां फ्लडलाइट्स मैच कराने लायक नहीं है। गॉल शहर में बारिश का अनुमान था। हंबनटोटा का स्टेडियम जंगल के पास बना है। ब्रॉडकास्टर्स ने ट्रांसपोर्टेशन की शिकायत की थी। साथ ही यहां के होटल स्टेडियम से करीब 45 मिनट की दूरी पर है, ऐसे में खिलाड़ियों को भी आने-जाने में दिक्कतें होतीं। इस कारण कैंडी और कोलंबो शहर को फाइनल किया गया था, लेकिन इन दोनों ही शहरों में तेज बारिश के कारण मैचों में रुकावट हुई।

पाक ने भी जताई थी नाराजगी

भारत और पाकिस्तान के बीच दो सितंबर को कैंडी के मैदान पर मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व चीफ नजम सेठी ने कहा, बारिश की संभावना होने के बावजूद उसी जगह भारत-पाक मैच कराया जाना निराशाजनक है। पीसीबी चेयरमैन के रूप में मैंने एशिया कप को यूईए में कराने का सजेशन दिया था, लेकिन मेरे सजेशन ये कह के टाल दिए थे कि यूएई में बेहद गर्मी रहेगी, लेकिन पिछले साल इसी समय यूएई में ही एशिया कप हुआ था। अप्रैल 2014 और सितंबर 2020 का आईपीएल भी यूएई में ही हुआ, तब तो किसी को ज्यादा गर्मी की शिकायत नहीं हुई थी। एशिया कप का मिस-मैनेजमेंट पूरी तरह से एसीसी और स्पोर्ट्स पर राजनीति के दबाव के कारण हुआ है। बता दें एशिया कप में ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच 5 सितंबर को अफगानिस्तान-श्रीलंका के बीच हुआ। तभी से कोलंबो में बाढ़ जैसे हालात हो गए थे।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे में 79 रन से हराया

लिविंगस्टोन प्लेयर ऑफ द मैच रहे

साउथैम्प्टन, एजेंसी

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे में 79 रन से हरा दिया। साउथैम्प्टन के रोज बाउल मैदान पर न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बारिश के कारण 34-34 ओवर के मैच में इंग्लैंड ने पहली पारी में 7 विकेट पर 226 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड टीम 26.5 ओवर में 147 रन बनाकर ही ऑल आउट हो गई। इंग्लैंड से 78 बॉल पर 95 रन की नॉट आउट पारी खेलने वाले लियाम लिविंगस्टोन प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने ही सैम करन के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर इंग्लैंड को 200 रन के पार पहुंचाया था। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 8 रन के स्कोर पर ही 3 विकेट गंवा दिए। जॉनी 6 और बेन स्टोक्स एक रन बनाकर आउट हुए, वहीं जो रूट तो खाता भी नहीं खोल सके। लेफ्ट आर्म पेसर ट्रेंट बोल्ट ने लिए। 28 रन के स्कोर पर हैरी ब्रूक भी 2 रन बनाकर मैट हेनरी का शिकार हो गए।

यूएस ओपन: टेनिस खिलाड़ी गॉफ का सबालेंका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 4-2 हुआ

कोको गॉफ बोली- मैं अभी तक इस जीत से हैरान हूं...

न्यूयार्क, एजेंसी

अमेरिकी की युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने यूएस ओपन के फाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका को हराकर यूएस ओपन का खिताब जीत लिया। 19 साल की गॉफ के करियर का यह पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है। पहला सेट हारने के बाद गॉफ ने शानदार वापसी की और मुकाबला 2-6, 6-3, 6-2 से जीत लिया। गॉफ 2017 के बाद से पहली अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने यह खिताब जीता। 2017 में आखिरी बार यह कारनामा सोलन स्टीफन ने किया था। गॉफ और सबालेंका के बीच यह छठा मैच था। अब गॉफ का सबालेंका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 4-2 हो गया है। आर्थर ऐश स्टेडियम में 19 साल की गॉफ ने पहला सेट 6-2 से गंवाने के बाद दूसरे सेट में 6-3 की जबर्दस्त वापसी की। मुकाबला एक-एक ही बराबरी पर आ गया। तीसरे और निर्णायक सेट को गॉफ ने 6-2 से अपने नाम करते हुए टाइटल जीता।

मेट्रो बाजार

अडाणी एंटरप्राइजेज ग्रुप का मार्केट कैप 11 लाख करोड़ के पार

मुंबई, एजेंसी

अडाणी एंटरप्राइजेज के प्रमोटरों ने 21 अगस्त से 7 सितंबर के बीच कंपनी में 2.06 प्रतिशत एडिशनल हिस्सेदारी हासिल की है। अडाणी ग्रुप का टोटल मार्केट कैप 11 ट्रिलियन रुपए यानी 11 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। ग्रुप ने अपने मार्केट कैप में 7,039 करोड़ रुपए जोड़े, जिससे उसकी 10 लिस्टेड कंपनियों की टोटल मार्केट वैल्यू 11.02 ट्रिलियन रुपए हो गई। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी। इसके साथ अडाणी एंटरप्राइजेज में प्रमोटर की टोटल हिस्सेदारी बढ़कर अब 71.93 प्रतिशत हो गई है। बीते दिन अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 0.38 प्रतिशत बढ़कर 2,519 रुपए पर बंद हुआ। भारतीय बाजार के नियमों के मुताबिक, प्रमोटर्स किसी कंपनी में 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी हासिल नहीं कर सकते। केम्पास ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड द्वारा 21 अगस्त से 22 अगस्त के बीच 0.61 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी गई। वहीं बची हुई 1.46 प्रतिशत हिस्सेदारी इनफिनिट ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड द्वारा 30 अगस्त से 7 सितंबर के बीच खरीदी गई है। दोनों कंपनियां अडाणी ग्रुप की प्रमोटर्स हैं। यह खबर कंपनी द्वारा अपनी फ्लैगशिप कंपनी में प्रमोटर की हिस्सेदारी 69.87 प्रतिशत घोषित करने के तीन सप्ताह बाद आई है। 7 अगस्त से 18 अगस्त के बीच केम्पास ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट ने कंपनी में 2.22 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। मार्च 2023 की शुरुआत से अडाणी ग्रुप के शेयरों ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद काफी हद तक रिकवर किया है।

भारत की पहली मैग्नीशियम साइकिल लॉन्च हुई

मुंबई, एजेंसी। टाटा इंटरनेशनल की सब्सिडियरी कंपनी स्ट्राइडर साइकिल्स ने भारत में साइकिलों की कॉन्टिनो रेंज लॉन्च की है। इसमें कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5टी को पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि ये भारत की पहली मैग्नीशियम फ्रेम वाली साइकिल है। कंपनी ने इसकी कीमत 27,896 रुपए रखी है। कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5टी देश भर में स्ट्राइडर साइकिल रीटेल स्टोर्स पर अवेलेबल है और इसे कंपनी की वेबसाइट के साथ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजान से भी खरीदा जा सकता है। साइकिल मिलिट्री ग्रीन और ग्रे कलर में अवेलबल है। मैग्नीशियम फ्रेम ट्रेडिशनल एल्यूमीनियम फ्रेम की तुलना में हल्के और मजबूत होते हैं, जो ऑफ-रोडिंग के लिए आईडियल माने जाते हैं। ये वाइब्रेशन को ज्यादा अब्जॉर्ब करता है। इससे राइडिंग आरामदायक बनाने में मदद कर सकता है। कॉन्टिनो गैलेक्टिक 27.5 टी कई फीचर्स से लैस है। इसमें डुअल डिस्क ब्रेक, स्मूथ गियर शिफ्टिंग के लिए फ्रंट और रियर डिरेलियर, लॉक-इन/लॉक-आउट टेक्नीक के साथ फ्रंट सस्पेंशन फोर्क शामिल हैं। साइकिल की टॉप स्पीड है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

फूलनदेवी की कहानी सुन रोने लगी थी असिस्टेंट डायरेक्टर डॉली

सन्1994 में रिलीज हुई फिल्म बैंडिट क्वीन को शेखर कपूर ने डायरेक्ट किया था। फिल्म डकैत से पॉलिटिशियन बनीं फूलन देवी की कहानी पर बेस्ड थी। इसमें फूलन का किरदार एक्ट्रेस सीमा बिस्वास ने निभाया था। एक्टर गोविंद नामदेव ने इसमें ठाकुर श्रीराम का किरदार निभाया था जिसने फूलन का शोषण किया था। एक दिन सेट पर कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर के तौर पर काम कर रहीं एक्ट्रेस डॉली अहलूवालिया ने शेखर कपूर से पूछा कि क्या वो भी फूलन से मिलने जा सकती हैं? उनसे बात करके उन्हें फिल्म की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग में मदद मिलेगी। शेखर ने उन्हें हां कह दिया और डॉली असिस्टेंट डायरेक्टर के साथ फूलन से मिलने पहुंच गईं। नामदेव ने बताया कि इस दौरान फूलन ने डॉली को अपनी बॉडी पर बने हुए जख्मों के निशान भी दिखाए थे। उनके सीने पर गड्ढे बन चुके थे और ये गड्ढे तब हुए थे जब ठाकुरों ने उनको रेप करते हुए नोंचा था। कई जगह उनके शरीर का मांस तक निकल चुका था। ये सब देखकर डॉली शॉक्ड रह गईं। नामदेव बोले, 'डॉली जब सेट पर वापस आईं और उन्होंने मुझे ये पूरा किस्सा बताया तब जाकर मुझे यह किरदार निभाने का क्लू मिला। मैंने सोचा कि मुझे एक ऐसे इंसान का किरदार निभाना है जिसने इतनी गिरी हुई हरकतें की हैं। इस कहानी की वजह से ही मैं अपने उस किरदार की स्किन में उतर पाया और हमने फिल्म के सभी सीन को अंजाम दिया। 1994 में रिलीज हुई बैंडिट क्वीन को बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड मिला था। 67वें ऑस्कर अवॉर्ड्स में इसे बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में सिलेक्ट किया था पर इसे नॉमिनी के तौर पर असेप्ट नहीं किया गया। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गोविंद नामदेव ने इस फिल्म पर बात की। उन्होंने बताया कि जब फिल्म की शूटिंग चल रही थी तब फूलन सेट के पास की ही एक जेल में बंद थीं। शूटिंग के दौरान डायरेक्टर शेखर कपूर हर दूसरे दिन उनसे सेट से जुड़ी अपडेट शेयर करते थे।

फिल्म बनाने से पहले फूलन ने रखी थी यह शर्त

नामदेव ने कहा, 'फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर एक नियम था। दो दिन की शूटिंग करने के बाद हमने जो शूट किया है वो हमें फूलन देवी को बताने के लिए ग्वालियर जाना पड़ता था। चूंकि, फिल्म की कहानी उन्हीं की लाइफ पर बेस्ड थी तो ऐसे में उन्होंने मेकर्स के सामने यह शर्त रखी थी कि जो भी शूट होगा उनको बताया जाएगा। सेट से एक असिस्टेंट डायरेक्टर हर दो दिन में जाकर उन्हें फिल्म की ब्रीफ देकर आता था।

कोरियोग्राफर फराह बोली- डार्क ह्यूमर ने डिप्रेशन में जाने से बचाया

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान ने बीते तीन दशक में 80 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। 6 फिल्मफेयर और एक नेशनल अवॉर्ड अपने नाम कर चुकीं फराह ने अपने करियर में 4 फिल्में डायरेक्ट भी कीं। इसमें से तीन फिल्में हिट रहीं। फराह की फैमिली भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी रही है। भले ही उनके पिता कामरान खान एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर थे पर फराह का बचपन तंगहाली में बीता। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में फराह ने इस बारे में बात की। निधन के वक्त उनके पिता की जेब में मात्र 30 रुपए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने और उनके भाई साजिद खान को पिता का फ्यूनरल अरेंज करने के लिए भी स्ट्रगल करना पड़ा था। फराह ने कहा, 'एक रात पहले ही उन्होंने जुआ खेला था और उनकी पॉकेट में मात्र 30 रुपए ही थे। साजिद ने भी हाल ही में बिग बॉस में बताया था कि कैसे उसने और मैंने अपने पिता का फ्यूनरल करने के लिए पैसा इक्ट्ठा किया था।

'डर' में ऐश्वर्या को कास्ट करना चाहते थे यश चोपड़ा

सनी देओल ने बताया कि उनमें एक फिल्म का नाम 'इंडियन' था। सनी ने कहा कि फिल्म के गाने और ज्यादातर सीन्स शूट हो चुके थे। हालांकि, यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हो पाई। डिजाइनर नीता लुल्ला ने बताया था कि 1993 में आई फिल्म डर में फिल्म मेकर यश चोपड़ा ऐश्वर्या राय को कास्ट करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। नीता ने कहा- यश जी और मैंने चर्चा की थी, हमने कहा कि ऐश्वर्या खूबसूरत हैं, लेकिन वह उसी साल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए जा रही थीं। वह चली गईं। बता दें कि फिल्म डर में शाहरुख खान, सनी देओल और जूही चावला लीड रोल्स में थे। बजट के कारण फिल्म बंद हो गई थी।

देर रात बवाल के बाद भारी पुलिस बल ने संभाला मोर्चा

मरीज की मौत पर बवाल, दो डॉक्टर से मारपीट, अस्पताल में तोड़फोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित अनंत श्री अस्पताल में मरीज की मौत के बाद परिजन और रिश्तेदारों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान आरोपियों ने सीनियर डॉक्टर रितेश बालाकार और एक अन्य डॉक्टर से मारपीट कर दी। गुस्साए लोगों ने अस्पताल में तोड़फोड़ भी की है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति पर काबू किया। पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत पर चार नामजद आरोपी सहित दर्जनभर लोगों पर मामला दर्ज किया है।

चार नामजद आरोपियों समेत दर्जन भर पर प्रकरण दर्ज

पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखकर आरोपियों की पहचान कर रही है।

एएसआई रामराज बघेल ने बताया कि नंदराम हवेलिया (48) पूर्वांचल फेस 1 पिपलानी में रहते थे। शनिवार देर रात उनकी तबीयत बिगड़ी थी। रात करीब 12.30 बजे के आसपास परिजन उन्हें अनंत श्री अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने उन्हें तत्काल इलाज देना शुरू किया। सुबह करीब 3-00 बजे के आसपास इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही मृतक के रिश्तेदार और 100 क्वार्टर झुग्गी में रहने वाले परिचित पहुंच गए। नाटक के परिजन और रिश्तेदार सहित परिचित डॉक्टर पर आरोप लगाते हुए कहने लगे कि तुम्हारी गलती से मरीज की मौत हुई है। डॉक्टर नहीं बताया कि जब उन्हें लाया गया था तो उनकी हालत नाजुक थी। हार्ट अटैक होने से उनकी मृत्यु हुई है। यह बात सुनते ही परिचित उग्र हो गए और डॉक्टर के साथ मारपीट शुरू कर दी। डॉक्टर के बचाव में स्टाफ के लोग पहुंचे तो मामला बिगड़ गया। आरोपियों ने अस्पताल के कांच भी तोड़ दिए।

फाइल फोटो

दो एफआरवी में पहुंची पुलिस

देर रात हंगामा की सूचना पर दो एफआरबी और चार्ली की टीम मौके पर पहुंची थी। इसके बाद लोगों को समझाइए दी गई। पुलिस ने आश्वासन दिया कि पीएम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की जाएगी तभी लोगों का गुस्सा शांत हो सका। पुलिस ने डॉक्टर रितेश बालाकार की शिकायत पर रवि प्रशांत राजू शुभम व अन्य लोगों पर बलवा मारपीट गाली गलौज तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है।

बदमाश ने शराब के लिए युवक से की अड़ीबाजी

भोपाल। टीटी नगर इलाके में एक बदमाश ने शराब के लिए युवक से अड़ीबाजी की और रुपये नहीं देने पर मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक गौरव शर्मा (26) शिवनगर कालोनी टीटी नगर में रहता है और छह नंबर हाकर्स कार्नर में मोमोस की दुकान लगाता है। बीती 8 सितंबर की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वह दुकान बंद कर स्कूटर से घर लौट रहा था। गौरव जैसे ही अंकुर स्कूल के आगे शिवनगर पुलिया के पास पहुंचा, वैसे ही प्रिंस नामक बदमाश मिला। उसने गौरव पर शराब के लिए एक हजार रुपये की अड़ीबाजी की। जब उसने रुपये देने से मना किया तो प्रिंस ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। आसपास के लोगों ने उनके बीच-बचाव किया। उसके बाद प्रिंस रिपोर्ट नहीं करने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

फाइल फोटो

दुकान की शटर का ताला तोड़कर, कैश काउंटर में रखे पांच हजार चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थानांतर्गत जीटीबी काम्पलेक्स स्थित एक दुकान की शटर का ताला तोड़कर चोर कैश काउंटर में रखे पांच हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कई अन्य स्थानों से भी चोर हजारों का सामान चोरी कर ले गए।

पुलिस के मुताबिक अलकेश राजपूत (30) पुरुषोत्तम नगर सेमराकला अशोका गार्डन में रहते हैं। वह जीटीबी काम्पलेक्स में अग्रवाल सा?ी के पास स्थित कार्बन बेसिक्स दुकान में मैनेजर हैं। बीती 8 सितंबर को अकलेश दुकान बंद कर चले गए थे। अगले दिन सुबह पहुंचे तो दुकान के शटर के ताले टूटे मिले। अंदर जाकर देखा तो कैश काउंटर खुला था और उसमें रखे पांच हजार रुपये नकद और दुकान में रखा एक नग बच्चे का सफेद रंग का साइकिलिंग शाट्स गायब था। इधर मिसरोद थानांतर्गत गोदाम का ताला तो?कर चोर 60 हजार रुपए कीमत के पाइप चोरी कर ले गए। पुलिस ने अमित मोटवानी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अशोका गार्डन थानांतर्गत औद्योगिक क्षेत्र बी-सेक्टर से चोर 30 हजार रुपये का केबल वायर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अंजू द्विवेदी की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया है। निशातपुरा थानांतर्गत पंचवटी कालोनी फेस-3 में रहने वाली आरती जाटव के घर से चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आधा दर्जन दोपहिया वाहन ले उड़े बदमाश

फाइल फोटो

भोपाल। राजधानी में दोपहिया वाहनों की चोरी पर लगाम नहीं लग पा रही है। जहांगीराबाद थानांतर्गत चिकलोद रोड से मोहित विश्वकर्मा, हबीबगंज में नर्मदा अस्पताल के पास से गौतम और अरेरा कालोनी से प्रकाश विश्वकर्मा, गोविंदपुरा थानांतर्गत आईएसबीटी पार्किंग से रजनेश कुमार, ब?ईपुरा कोतवाली से तनवेज खान और बैरागढ़ स्थित राजदीप अस्पताल के सामने से संजय शर्मा की मोटर सायकिल चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बस ने बाइक को मारी टक्कर, एक व्यक्ति की हालत गंभीर

भोपाल। गोविंदपुरा इलाके में एक तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। पीछे बैठे व्यक्ति को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक हल्केवीर लोधी (49) राज सम्राट कालोनी अयोध्या नगर में रहते हैं और सब्जी बेचने का काम करते हैं। आठ सितंबर की शाम करीब चार बजे वह अपने साथी शंकर सिंह की मोटर सायकिल पर बैठकर हबीबगंज सब्जी मार्केट जा रहे थे।

गोविंदपुरा स्थित कैरियर कालेज चौराहे पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों लोग बाइक समेत स?क पर गिरकर घायल हो गए। इस दौरान हल्केवीर का एक दांत टूट गया। राहगीरों ने बस चालक को रोक लिया तो चालक घायलों को उसी बस में इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया। पेशेंट जब बयान देने की स्थिति में आया तो पुलिस मौके पर पहुंची और बयान के बाद बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने कार को मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके में एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने कार को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक अर्जुन नगर निवासी राकेश खोबरागढ़े (45) प्रायवेट ड्रायवरी करते हैं। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपने मालिक की कार से उन्हें छोड़ने के लिए मालवीय नगर जा रहे थे। 74 बंगला रोड पर तेज रफ्तार से आए लोडिंग वाहन के चालक ने उनकी कार में दाहिनी तरफ पीछे वाले गेट के पास टक्कर मार दी। पुलिस ने राकेश की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले लोडिंग चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

फाइल फोटो

बाइक सवार ने बुजुर्ग दंपती को मारी टक्कर

भोपाल। अवधपुरी इलाके में एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने बुजुर्ग दंपति को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला को गंभीर चोट आई है, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर टक्कर मारने वाले बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक देवेंद्र कुमार (65) डाक विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी हैं और रीगल होम्स अवधपुरी में रहते हैं। बीती 6 सितंबर को शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपनी पत्नी शशिकला के साथ मोटर सायकिल से स्टेट बैंक से घर लौट रहे थे। वह जैसे ही अनुपम नगर के सामने एमपीईबी वाली रोड पर पहुंचे, वैसे ही पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार मोटर सायकिल के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बुजुर्ग दंपति बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। देवेंद्र को कम चोट आई थी, लेकिन उनकी पत्नी शशिकला को गंभीर चोट लगी। बाद में उन्होंने पत्नी को दूसरे निजी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। रविवार को देवेंद्र ने थाने पहुंचकर टक्कर मारने वाले अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

आबकारी की कार्यवाही

भोपाल। जिला आबकारी विभाग की टीमों ने शहर के दो दर्जन से अधिक बार पर छापामार कार्रवाई की। अनियमितता पाई जाने पर अमले ने बार संचालकों के साथ-साथ शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ भी आबकारी एक्ट के तहत कुल 62 प्रकरण दर्ज किए। इनमें एक दर्जन बार ऐसे में मिले, जिनमें शराब पिलवाई जा रही थी, लेकिन बार संचालन का लायसेंस नहीं था।

दो बाइक आपस में टकराई, एक की मौत, दो घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित कनक गार्डन, विवेकानंद गेट के सामने बीती देर रात दो बाइक आपस में टकरा गई। हादसे में दोनों बाइक सवारों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया था, वहां एक युवक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरी बाइक पर मौजूद युवकों को चोट होने के कारण उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

एसआई करण सिंह वर्मा ने बताया कि राव साहब यादव (40) दुर्गा नगर, पलासी, निशातपुरा में रहता?था और वाइन शॉप में काम करता था। रविवार रात वह दुकान से काम पर अपने घर बाइक से लौट रहा था। इस दौरान जेल रोड की तरफ से

फाइल फोटो

आ रहे बाइक सवार ने उसकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मारी थी। हादसा कनक गार्डन के पास विवेकानंद गेट के सामने हुआ था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस को घटना की जानकारी दी। एंबुलेंस की बाइक सवार तीनों युवकों को लेकर अस्पताल पहुंची थी। वहां डॉक्टर ने राव साहब यादव को मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच कर रहे एसआई वर्मा ने बताया कि अभी घायल बयान देने की स्थिति में नहीं है। उनके होश में आने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे।

अभाकाम के चित्रांश शादी ग्रुप का डिजिटल परिचय सम्मेलन

भोपाल। अभाकाम के चित्रांश शादी ग्रुप एवं शुभ परिचय स्मारिका मध्यभारत इकाई के संयुक्त तत्वावधान में सीहोर के ग्रेसिस रिसोर्ट में कायस्थ समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का डिजिटल परिचय सम्मेलन हुआ। संयोजक ओ.पी.श्रीवास्तव, व्योम-गौरव खरे एवं प्रादेशिक मीडिया प्रभारी अभय प्रधान ने बताया कि सम्मेलन में 150 बच्चों ने पंजीयन कराया, जिसमें लगभग 60 बच्चों के अभिभावक अथवा बच्चे स्वयं उपस्थित हुए, बाकी लोगों ने वर्चुअली जुड़कर भाग लिया। यह पहला अवसर है जब समाज के मंच पर पूरे मध्यप्रदेश के विदेशों में कार्यरत लगभग रूपये 2.25 करोड़ पैकेज वाले बच्चों के परिवारजन भी परिचय देने के लिए उपस्थित हुए। इस सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन अभाकाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया।

पत्नी के लापता होने से दुखी पति ने जहर खाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित गांव खजूरी में 55 साल के किसान जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल अस्पताल पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान कल रविवार दोपहर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति के साथ चली गई थी। इस बाद से वह दुखी था।

पुलिस के अनुसार शिवचरण मेवाड़ा पिता रामलाल मेवाड़ा (55) गांव खजूरी सड़क में रहते थे और खेती किसानी करते थे। उनके चार जवान बच्चें है। उनकी पत्नी कुछ दिन पहले घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। शिव चरण ने पत्नी की गुमशुदगी थाने में दर्ज कराई थी। जब उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी किसी व्यक्ति के साथ गई है तो वह दुखी हो गए और समाज में बदनामी के कारण गुमशुम रहने लगे। बच्चों ने बताया कि शनिवार रात पिता उल्टियां कर रहे थे। बच्चों को अनहोनी की आशंका हुई और वह शिव चरण को लेकर बैरागढ़ स्थित निजी अस्पताल पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान रविवार दोपहर शिवचरण की मौत हो गई।

मेट्रो एंकर — **कोलार थाना क्षेत्र का मामला...**

युवती से दुष्कर्म. दो साल तक दैहिक शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर उसके साथ काम करने वाले युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने दो साल तक शोषण करने के बाद शादी करने से इंकार कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक 28 वर्षीय युवती एक निजी कंपनी में काम करती है। करीब तीन साल पहले

उसी कंपनी में काम करने वाले बृजेश गौर से उसकी पहचान हुई थी। बाद में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। सितंबर 2021 में बृजेश युवती को घुमाने के बहाने कोलार रोड स्थित अपने मकान पर लेकर पहुंचा और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। युवती ने जब इसका विरोध किया तो उसने जल्द ही शादी करने का झांसा देकर उसे चुप करा दिया। उसके बाद से वह लगातार युवती का शोषण कर रहा था। पिछले दिनों युवती ने जब शादी के लिए दबाव डाला तो बृजेश ने शादी करने से साफ इंकार कर दिया। परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत
ज्योतिषाचार्य
व कुंडली
विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं.
7869267010
कॉलिंग नंबर
7415497010
shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022